श्रमसाधना

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

shramsadhnagwl@gmai.com

www.shramsadhnanews.com

हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़े

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 44 ग्वालियर, सोमवार 14 सितंबर 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

ऑपरेशन सिंदूर में नागरिक विमानों के बीच सैन्य विमान की पहचान कर की कार्रवाई, रक्षा तंत्र की लंबी मारक क्षमता सामने आई

314 किमी दूर पाकिस्तानी विमान को एस-400 ने बनाया निशाना

नई दिल्ली जीएनएस

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना के एस-400 वायु रक्षा तंत्र ने पाकिस्तान के भीतर करीब 314 किलोमीटर दूर उड़ रहे एक सैन्य विमान को निशाना बनाया था। रक्षा संबंधी रिपोर्ट में इसे जमीन से हवा में की गई सबसे लंबी दूरी की सफल कार्रवाई में से एक बताया गया है। पूर्व वायुसेना अधिकारी एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा ने भी बताया था कि एस-400 से पाकिस्तानी हवाई चेतावनी एवं नियंत्रण विमान को 314 किलोमीटर की दूरी पर मार गिराया गया।

ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान ने अपना हवाई क्षेत्र पूरी तरह बंद नहीं किया था और वहां नागरिक विमान भी उड़ान भर रहे थे। ऐसे में भारतीय वायुसेना के सामने सैन्य और नागरिक विमानों की सटीक पहचान करना महत्वपूर्ण चुनौती थी। रिपोर्ट के अनुसार भारतीय वायुसेना ने सैन्य विमान की पहचान कर एस-400 के जरिए उसे निशाना बनाया।

आसमान में निगरानी करने वाला विमान था लक्ष्य : रिपोर्ट में लक्ष्य को विशेष अभियान वाला विमान बताया गया है। हालांकि, भारतीय वायुसेना के अधिकारियों की ओर से पहले इसे पाकिस्तान का हवाई चेतावनी एवं नियंत्रण विमान बताया जा चुका है। ऐसे विमान हवा में मौजूद खतरों और लक्ष्यों की निगरानी के साथ सैन्य

विमानों को दिशा-निर्देश देने का काम करते हैं। पूर्व एयर मार्शल मिश्रा के अनुसार पाकिस्तान के जमीन आधारित रडार और नियंत्रण तंत्र को नुकसान पहुंचने के बाद ऐसे विमानों पर उसकी निर्भरता बढ़ गई थी।

एस-400 ने खतरे को ट्रैक कर दागी मिसाइल : एस-400 ने लक्ष्य की निगरानी और पहचान के बाद लंबी दूरी की जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइल से कार्रवाई की। 314 किलोमीटर की दूरी पर लक्ष्य को निशाना बनाए जाने को भारतीय वायु रक्षा क्षमता की महत्वपूर्ण उपलब्धि माना गया। रक्षा विश्लेषण से जुड़े स्रोतों ने भी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एस-400 द्वारा 314 किलोमीटर दूर पाकिस्तानी हवाई चेतावनी एवं नियंत्रण विमान को निशाना बनाए जाने का उल्लेख किया है।

एस-400 क्यों है महत्वपूर्ण : रूस निर्मित एस-400 लंबी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली है। यह लड़ाकू विमान, ड्रोन और विभिन्न प्रकार की मिसाइलों सहित हवाई खतरों का पता लगाने और उन्हें रोकने के लिए बनाई गई है। इसकी लंबी दूरी की मारक क्षमता के कारण यह दुश्मन के विमानों को काफी दूर से ही खतरे के दायरे में ला सकती है।

ऑपरेशन सिंदूर में निभाई अहम भूमिका : पहलगाम आतंकी हमले के बाद मई 2025 में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। अभियान के दौरान भारतीय वायु रक्षा तंत्र ने पाकिस्तानी हवाई हमलों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 314 किलोमीटर दूर लक्ष्य को निशाना बनाए जाने की कार्रवाई ने एस-400 की लंबी दूरी की क्षमता को भी सामने रखा।

वीआईएसएम महाविद्यालय में राष्ट्रीय विद्यार्थी पर्यावरण प्रतियोगिता आयोजित

पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत घर से करें, छोटे कदम बनेंगे बड़े बदलाव का आधार

ग्वालियर जीएनएस

पर्यावरण संरक्षण एवं विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से व्हीआईएसएम समूह अध्ययन में पर्यावरण संरक्षण गतिविधि, ग्वालियर के तत्वावधान में राष्ट्रीय विद्यार्थी पर्यावरण प्रतियोगिता-2026 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता एवं संगोष्ठी में नर्सिंग, फार्मेसी, पैरामेडिकल एवं विधि महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण गतिविधि ग्वालियर विभाग के संयोजक डॉ. चंद्रभान संचान एवं सह-संयोजक तथा जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार के

सेवानिवृत्त निदेशक गिर्राज गोयल विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के महत्व और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारियों की जानकारी दी।

संगोष्ठी में पर्यावरण प्रदूषण, जल एवं वायु संरक्षण, प्लास्टिक प्रदूषण, स्वच्छता, वृक्षारोपण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और सतत विकास जैसे विषयों पर विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। डॉ. चंद्रभान ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए किसी बड़े अभियान का इंतजार करने की जरूरत नहीं है। इसकी शुरुआत अपने घर से ही की जा सकती है। एक पेड़ लगाना, पानी बचाना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना, कचरे को उचित स्थान पर डालना और दूसरों को जागरूक करना जैसे छोटे कदम ही बड़े बदलाव की शुरुआत बनते हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि पर्यावरण की सुरक्षा हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है, यह समझ विकसित करने का प्रयास भी है।

इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन डॉ. सुनील राठौर, चेयरपर्सन श्रीमती सरोज राठौर, समूह निदेशक डॉ. प्रज्ञा सिंह सहित विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की मुख्यमंत्री डॉ यादव ने की समीक्षा

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को निवास स्थित समत्व भवन में सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने अभियान की रूपरेखा और अब तक की तैयारियों की विस्तार से जानकारी ली। बैठक में मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों से अभियान के सफल और प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर चर्चा की। उन्होंने तैयारियों की स्थिति की समीक्षा करते हुए अभियान के प्रत्येक चरण को बेहतर समन्वय के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हिंदी दिवस की दीं शुभकामनाएं :

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समस्त प्रदेशवासियों को हिंदी दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों से राजभाषा हिंदी और समस्त भारतीय भाषाओं को और अधिक सशक्त और समृद्ध करने का संकल्प लेने का आवाह्न किया है।

गायत्री शक्तिपीठ के 10 दिवसीय विराट पुस्तक मेले में पहुंचे ददरुआ महाराज, बोले- पुस्तकें जीवन को देती हैं नई दृष्टि

जीवन की दिशा-धारा बदलने का स्रोत है आचार्य जी का सद्साहित्य

ग्वालियर जीएनएस

गायत्री शक्तिपीठ की ओर से आयोजित 10 दिवसीय विराट पुस्तक मेले के दूसरे दिन ददरुआ महाराज ने दोपहर 12 बजे पुस्तक मेले का भ्रमण किया। उन्होंने मेले में प्रदर्शित पुस्तकों का अवलोकन किया और पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित साहित्य को जीवन की दिशा-धारा बदलने का स्रोत बताया।

ददरुआ महाराज ने कहा कि यह पुस्तक मेला समुद्र की तरह है, जिसमें से मोती चुनना कठिन कार्य है। उन्होंने लोगों से जीवन में उपयोगी और प्रेरणादायी साहित्य को अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर उन्होंने मंच से भजन एवं संगीत की प्रस्तुति भी दी।

पुस्तक मेला समिति ने पुस्तकों को उपहार के रूप में देने की पहल की है। समिति ने विवाह एवं वर्षगांठ तथा सेवानिवृत्ति एवं बच्चों के जन्मदिन के अवसर पर उपहार देने के लिए पुस्तकों के तीन गिफ्ट सेट तैयार किए हैं। इन पर 20 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। संयोजक यशराज भंसाली ने कहा कि इन अवसरों पर नगद उपहार देने के बजाय पुस्तकों का सेट भेंट करना चाहिए। गायत्री परिजन आशीष एवं मनीष टंडन ने ये सेट तैयार किए हैं, जो पुस्तक मेले में उपलब्ध हैं।

राष्ट्रभक्ति गीतों से गूंजा मेला परिसर : शाम चार बजे पियूष तांबे एवं प्रतीक्षा ने राष्ट्रभक्ति गीत एवं स्वरांजलि कार्यक्रम में मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। इसके बाद शाम 5.30 बजे विचार गोष्ठी आयोजित हुई। इसमें अमेठी विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राजेश तोमर, आईटीएम विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. योगेश उपाध्याय, मध्य भारत शिक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र बांदिल, झलकारी बाई महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. बीएल अहिरवार, भगवत सहाय महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मीना श्रीवास्तव, जीवाजी विश्वविद्यालय के डीन हेमंत शर्मा सहित शिक्षाविद् एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

वक्ताओं ने कहा कि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य ने युगद्रष्टा के रूप में विपुल साहित्य की रचना की है। अब इस साहित्य को घर-घर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी समाज की है।

रोजगार मेले में 378 युवाओं का चयन

18 कंपनियों ने लिया हिस्सा, 1,481 अभ्यर्थियों ने कराया पंजीकरण; विधायक और डीएम ने युवाओं को किया प्रेरित

फिरोजाबाद, जीएनएस। महात्मा गांधी कॉलेज कन्या महाविद्यालय परिसर में सेवायोजन विभाग, कॉलेज प्रबंधन और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय रोजगार मेले एवं करियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया। मेले में 18 कंपनियों ने प्रतिभाग किया। विभिन्न कंपनियों में 378 अभ्यर्थियों का चयन किया गया।रोजगार मेले में 913 अभ्यर्थियों ने ऑफलाइन और 568 ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया। कार्यक्रम का शुभारंभ सदर विधायक मनीष असीजा और जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया।

सदर विधायक ने कहा कि युवाओं को भटकने से बचाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में सेवायोजन विभाग सेतु का काम कर रहा है। एक ट्रिलियन इकोनॉमी के लक्ष्य को हासिल करने में युवाओं की भूमिका अहम है। युवाओं को नौकरी पाने के साथ मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना और जिला उद्योग केंद्र की योजनाओं के माध्यम से रोजगार देने वाला बनने का प्रयास करना चाहिए।

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। कठोर परिश्रम और समर्पण से ही सफलता हासिल की जा सकती है। ईमानदारी से किया गया प्रयास कभी व्यर्थ नहीं जाता। उन्होंने युवतियों का उत्साहवर्धन करते हुए अभिभावकों से बेटियों को शिक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर देने की अपील की। कार्यक्रम में एसडीएम सदर सुदर्शन कुमार, जिला रोजगार अधिकारी खुशबू शाक्य, विपिन कुमार, सुमन कुमार सहित रोजगार कार्यालय के कर्मचारी मौजूद रहे। कॉलेज की प्राचार्य प्रदर्शनी उपाध्याय, सचिव सतीश चंद्र गुप्ता, मंडल सचिव अनूप चंद्र जैन और मंडल कोषाध्यक्ष अनूपम कुमार गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

डीएम ने कलेक्ट्रेट में झाड़ू लगाकर दिया स्वच्छता का संदेश

अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ किया श्रमदान, हर माह दूसरे और चौथे शनिवार को चलेगा विशेष सफाई अभियान

फिरोजाबाद, जीएनएस। स्वच्छ भारत मिशन के तहत जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने शनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर में अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने परिसर में चल रहे विशेष स्वच्छता अभियान का निरीक्षण किया और स्वयं सफाई कार्य में शामिल हुए। डीएम ने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। स्वच्छ वातावरण से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक ऊर्जा भी बनी रहती है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से अपने कार्यस्थल को साफ रखने के साथ आम लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की अपील की।

हर माह दो शनिवार चलेगा अभियान

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर में हर माह के दूसरे और चौथे शनिवार को विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। इसका उद्देश्य स्वच्छता को नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाना है। उन्होंने जापान का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां स्वच्छता में आम नागरिकों की सहभागिता महत्वपूर्ण है। यदि जनपद का प्रत्येक नागरिक अपने आसपास की सफाई को अपनी जिम्मेदारी समझे तो स्वच्छता अभियान जनआंदोलन का रूप ले सकता है।

इस दौरान अपर जिलाधिकारी न्यायिक अरविंद कुमार द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व कल्पना जायसवाल, एसडीएम धर्मवीर भारती सहित जिला स्तरीय अधिकारी और कलेक्ट्रेट कर्मचारी मौजूद रहे।

गणेश चतुर्थी महोत्सव 14 से झांकियों की तैयारी में जुटा युवा वर्ग

पोरसा, जीएनएस। प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश जी महाराज की आराधना का पर्व गणेश चतुर्थी महोत्सव 14 सितंबर से शुरू होने जा रहा है। गणेश उत्सव को लेकर शहर में तैयारियां तेज हो गई हैं। विभिन्न स्थानों पर भगवान गणेश जी की आकर्षक झांकियां सजाने के लिए युवा वर्ग उत्साह के साथ तैयारियों में जुटा हुआ है। पंडालों को आकर्षक रूप देने के साथ ही विद्युत सजावट, धार्मिक कार्यक्रमों और भक्ति संगीत की तैयारियां भी की जा रही हैं।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर श्रद्धालु विधि-विधान के साथ भगवान गणेश जी की प्रतिमा स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद पूरे उत्सव के दौरान प्रतिदिन गणपति की आरती, भजन-कीर्तन एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शहर में जगह-जगह गणेश पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है।

स्थानीय आयोजकों के अनुसार गणेश महोत्सव का आयोजन 14 सितंबर से प्रारंभ होकर एकादशी एवं पूर्णिमा तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ चलेगा। इस दौरान भगवान गणेश जी की झांकियों को विशेष रूप से सजाया जाएगा। कई स्थानों पर अलग-अलग थीम पर झांकियां तैयार करने की योजना है, जिनमें धार्मिक एवं सामाजिक संदेश भी दिए जाएंगे। युवा वर्ग में गणेश उत्सव को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है। युवा अपने-अपने क्षेत्रों में पंडाल तैयार करने, प्रतिमाओं की स्थापना, सजावट और विद्युत व्यवस्था को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। देर शाम तक तैयारियों का दौर जारी है।

प्रथम पूज्य हैं भगवान गणेशः धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान श्री गणेश को प्रथम पूज्य देवता माना जाता है। किसी भी शुभ कार्य, धार्मिक अनुष्ठान या मांगलिक कार्य की शुरुआत भगवान गणेश की पूजा से करने की परंपरा है। उन्हें विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता कहा जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि सच्चे मन और श्रद्धा से भगवान गणेश की आराधना करने से जीवन में आने वाले विघ्न दूर होते हैं और सुख-समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के आ रहे हैं सार्थक परिणाम

भिंड, जीएनएस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार संचालित जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत आज जनपद पंचायत रौन के शासकीय वेयरहाउस में जनसंवाद एवं समाधान शिविर आयोजित किया गया। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला तथा कलेक्टर भिण्ड ने शिविर में ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान अपर कलेक्टर, एसडीएम लहार, सीईओ जनपद रौन सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने उपस्थित जनों को संबोधित कर कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का उद्देश्य शासन और प्रशासन को आमजन के और अधिक निकट लाना है। शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे तथा ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान हो, इसी उद्देश्य से जिले के विभिन्न ग्रामों में अधिकारियों द्वारा भ्रमण एवं शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी-कर्मचारी गांव-गांव जाकर ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनका निराकरण कर रहे हैं।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि ग्राम स्तर पर योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के साथ ही जल जीवन मिशन के बारे में जानकारी लोगों को आवश्यक रूप से दी जाए। मंत्री राकेश शुक्ला ने उपस्थित जनों से कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने जिस उद्देश्य और गंभीरता से जन विश्वास अभियान शुरू किया है, इसके सार्थक परिणाम भी आ रहे हैं। लेकिन आप लोगों के सहयोग के बिना इस अभियान के सार्थक परिणाम नहीं आ सकते। आप सभी से आग्रह है कि आप सभी लोग अपने-अपने गांव, मोहल्ले में सक्रिय रहेंगे तो समस्या का निराकरण जल्दी होगा।

विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग-2027 का किया जा रहा है आयोजन

भिंड, जीएनएस। भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ने तथा 'विकसित भारत' के संकल्प में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग-2027 का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का प्रथम चरण विकसित भारत प्रश्नोत्तरी है, जो माय भारत पोर्टल पर उपलब्ध है। इसके माध्यम से देशभर के युवाओं को भारत के भविष्य को आकार देने तथा विकसित भारत/2047 की परिकल्पना से जुड़ने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। विकसित भारत प्रश्नोत्तरी 22 भारतीय भाषाओं में आयोजित की जा रही है, जिसमें भारत, भारतीय विरासत, देश की उपलब्धियों, विकास यात्रा तथा विकसित भारत/2047 की परिकल्पना से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रतिभागियों के सामान्य ज्ञान का परीक्षण किया जाएगा। इसका उद्देश्य युवाओं में जागरूकता बढ़ाना, ज्ञानपूर्ण सहभागिता को प्रोत्साहित करना तथा प्रत्येक राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश से व्यापक युवा प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास कार्यक्रम अन्तर्गत भोपाल के वरिष्ठ अधिकारियों ने किया जिले का भ्रमण

भिण्ड, जीएनएस। मुख्यमंत्री जन विश्वास कार्यक्रम अन्तर्गत म.प्र. शासन के निर्देशन में आज अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग म.प्र. शासन श्रीमती दीपाली रस्तोगी, आयुक्त सह संचालक पंचायती राज संचालनालय भोपाल श्री छोटे सिंह, एवं मिशन संचालक स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण श्री के.व्ही.एस. चौधरी के द्वारा ग्राम पंचायत गुरीखा जनपद पंचायत गोहद, ग्राम पंचायत खेरियातोर का ग्राम प्रतापपुरा, लाडमपुरा जनपद पंचायत मेहगांव एवं ग्राम पंचायत बरही जनपद पंचायत भिण्ड में भ्रमण किया गया।

भ्रमण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत भिण्ड श्री वीर सिंह चौहान, संबंधित मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का स्टॉफ साथ में उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत गुरीखा जनपद पंचायत गोहद में प्रधानमंत्री जनमन योजना अन्तर्गत आवासों का निरीक्षण एवं आवास हितग्राहियों से चर्चा की गई, 11 में से 10 आवास पूर्ण पाये गये थे शेष एक अधूरे आवास को पूर्ण कराने के निर्देश दिये। नल जल योजनाओं का अवलोकन किया गया, जिसमें योजना का कार्य पूर्ण करने एवं ग्राम पंचायत को जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में हेण्डओवर करने के निर्देश दिये। नल कनेक्शन घरों के अन्दर किये जाने के भी निर्देश दिये। उन्होंने पंचायत भवन का निरीक्षण किया, पंचायत भवन के फर्स के सुधार कार्य एवं नियमित खोले जाने के निर्देश दिये गये। साथ ही ग्राम पंचायत का रिकार्ड संधारण एवं टैक्स वसूली, पंचायत भवन के पहुँच मार्ग को सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने पंचायत भवन पर उपस्थित ग्रामवासियों से विचार विमर्श किया। शासकीय माध्यमिक विद्यालय गुरीखा में उपस्थित स्टाफ एवं शाला में उपस्थित छात्र-छात्राओं से चर्चा करने के उपरांत प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण अन्तर्गत मध्याह्न भोजन का अवलोकन किया। अपूर्ण किचिन शेड को पूर्ण करने हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गोहद को निर्देश दिये।

उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अन्तर्गत स्व-सहायता समूहों के द्वारा निर्मित उत्पादों जैसे आचार, पापड़, शहद आदि का अवलोकन एवं स्व-सहायता समूह के सदस्यों से चर्चा की। ग्राम पंचायत खेरियातोर के ग्राम प्रतापपुरा में स्टाम्प शुल्क मद से 25 लाख रुपये की राशि से निर्माणाधीन सामुदायिक भवन का निरीक्षण किया गया, सामुदायिक भवन हेतु सम्पर्क सडक बनाए जाने, छत के पानी की निकासी हेतु छज्जे पर नलिका निर्माण के निर्देश दिए, साथ ही अगले गेट तक सम्पर्क सड़क बनाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री अद्योसरचना मद से ग्राम पंचायत विजयपुरा के ग्राम लाडमपुरा में निर्मित कराए गए सीमेन्ट कंक्रीट रोड़ का निरीक्षण किया तथा शा.प्राथमिकध्माध्य. विद्यालय का भी निरीक्षण किया।

सीमेन्ट कंक्रीट रोड़ निरीक्षण के दौरान उसमें नाली निर्माण नहीं कराए जाने के संबंध में सहायक यंत्री मेहगांव श्री डी.के. शर्मा से जानकारी चाहे जाने पर सहायक यंत्री द्वारा एस्टीमेट में नाली का प्रावधान नहीं होना बताया गया। शा.प्रा.वि. भ्रमण के दौरान स्कूल परसिर में बने हुये प्राचीन पारम्पारिक कुआ की मुडेर बनाने और कुऐं की अन्दर से सफाई कराने के निर्देश दिए।

ब्रज सेवा संस्थान द्वारा डॉ. दिनेश शर्मा के अंडमान निकोबार द्वीप समूह का उप-राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर किया गया हर्ष व्यक्त

वृन्दावन, जीएनएस। छटीकरा रोड़ पर श्रीकृष्ण शरणम् स्थित ब्रज सेवा संस्थान के कार्यालय में भाजपा के राज्यसभा सांसद व पूर्व उप-मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा को महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा अंडमान निकोबार द्वीप समूह का उप-राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर अत्यन्त हर्ष व्यक्त किया गया है।साथ ही उन्हें बधाइयां व शुभकामनाएं दीं गईं।इसके अलावा मिष्ठान्न वितरित किए गए।

इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए ब्रज सेवा संस्थान के अध्यक्ष ÷यूपी रत्न÷ डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने कहा कि डॉ. दिनेश शर्मा से उनके सन् 1990 से अति घनिष्ठ सम्बन्ध हैं, जबकि वे लखनऊ विश्वविद्यालय में वाणिज्य के प्रोफेसर थे।उन्होंने लखनऊ के महापौर एवं उत्तर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री के रूप में देश व समाज की जो अविस्मरणीय सेवा की है, वो अति प्रशंसनीय है।

डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने कहा कि मैं बड़भागी हूं, जो मुझे ÷यूपी रत्न÷ जैसी अत्यंत प्रतिष्ठित मानद उपाधि डॉ. दिनेश शर्मा के कर कमलों से ही प्राप्त हुई है।

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुराणाचार्य डॉ. मनोज मोहन शास्त्री ने कहा कि डॉ. दिनेश शर्मा विप्र समाज के गौरव हैं।उन्होंने भारतीय जनता पार्टी में उच्च पदों पर रहने के अलावा इसके विभिन्न आनुषांगिक संगठनों में भी रहकर अपनी एक अलग पहचान कायम की है।उसी का यह सुफल है कि अब उन्हें अंडमान निकोबार द्वीप समूह का उप-राज्यपाल नियुक्त किया गया है।उनकी विद्वता व कर्मठता से केन्द्र शासित द्वीप समूह का अब निश्चित ही चहुंमुखी विकास होगा। प्रख्यात साहित्यकार व मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. सतेन्द्र जोशी ने कहा कि अंडमान निकोबार द्वीप समूह के नव नियुक्त उप-राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा सहजता, सरलता, उदारता, परोपकारिता व कर्मठता की प्रतिमूर्ति हैं।यदि उन्हें ÷विकास पुरुष÷ कहा जाय, तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। प्रभु से हम उनके स्वस्थ्य व दीर्घायु जीवन की मंगल कामना करते हैं। संगोष्ठी में छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व उप-संचालक (सूचना एवं जनसंपर्क) टी.पी. त्रिपाठी, श्रीराधा वल्लभ संप्रदाय के प्रख्यात विद्वान आचार्य विष्णु मोहन नागार्च, महंत आचार्य रामदेव चतुर्वेदी, सन्त रामदास महाराज (अयोध्या), श्रीशुकाचार्य पीठाधीश्वर भूति कृष्ण महाराज, भागवताचार्य अश्वनी मिश्र आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।संचालन ब्रज सेवा संस्थान के महामंत्री डॉ. राधाकांत शर्मा ने किया।

शाम की बन्द ओपीडी प्रारंभ, रमेश दुबे ने आपत्ति करके शुरू कराई ओपीडी

भिंड, जीएनएस। जिला मुख्यालय से 20 किलोमीटर दूर स्थित ऊमरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर विगत दिवस पहुंच कर भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ रमेश दुबे ने स्थिति का जायजा लिया,और वहां उपस्थिति मरीजों की समस्याएं जानी और ओपीडी की स्थिति का जब पता चला कि इस स्वास्थ्य केंद्र पर आसपास के दो दर्जन से अधिक ग्रामों के मरीजों के इलाज के लिए सुविधाएं शासन अपनी तरफ से उपलब्ध करवा रहा है सारा चिकित्सा सिस्टम उपलब्ध है लेकिन शाम के समय इस प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र की ओपीडी बंद रहती है और इमरजेंसी में रात्रि में कोई भी डॉक्टर उपलब्ध नहीं हैं।

जैसे ही सारा मामला डॉ रमेश दुबे को समझ आया तो उन्होंने तत्काल सी एम एच ओ को कॉल करके सारी स्थिति बताई और बी एम ओ से भी इस संबंध में गंभीरता पूर्वक चर्चा की।।डॉ दुबे ने उक्त सभी स्वास्थ्य अधिकारियों को स्पष्ट किया कि प्रदेश की भाजपा सरकार जब हर व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए वचनबद्ध होकर काम कर रही है गाँव गांव स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का हर सम्भव प्रयास किया जा रहा है ,फिर भी ओपीडी की यह स्थिति स्वास्थ्य विभाग के अधिकारीयों की लापरवाही है।।इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने तत्परता से कार्यवाही को आगे बढ़ाते हुए आज से शाम के समय की बन्द ओपीडी चालू की गई है अब प्रति दिन नियमित रूप से डॉक्टर मरीजों के इलाज के लिए उपलब्ध रहेंगे। इमरजेंसी के लिए भी रात्रि के समय ऊमरी स्वास्थ्य केंद्र पर डॉक्टर उपलब्ध कराने के प्रयास जारी है अति शीघ्र इमरजेंसी भी शुरु किए जाने और सुबह वो शाम के समय मरीजों को जो भी आवश्यक दवाइयां हैं उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करके उनका आवश्यकता अनुसार मरीजों को वितरण कराया जायेगा और इस स्वास्थ्य केंद्र पर सुविधाएं दिन रात उपलब्ध रहेंगी,ऐसी जानकारी बी एम ओ श्री तपश शर्मा द्वारा दी गई है।

सीईओ जिला पंचायत ने 08 सरपंचों को दिया नोटिस

भिंड, जीएनएस। भिण्ड मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत भिण्ड श्री वीरसिंह चौहान ने जनपद पंचायत भिण्ड की ग्राम पंचायत मानपुरा सरपंच श्री ओमवीर सिंह चौहान, ग्राम पंचायत बाराकलां सरपंच श्रीमती ममता बघेल, ग्राम पंचायत ऊमरी सरपंच श्री वीरेन्द्र सिंह यादव, ग्राम पंचायत ढ़ोंचरा सरपंच श्री सुनील कुमार, ग्राम पंचायत खेरा श्यामपुरा सरपंच श्रीमती प्रीति देवी, जनपद पंचायत लहार की ग्राम पंचायत लपवाहा सरपंच श्री अरविन्द शर्मा, ग्राम पंचायत ररी सरपंच श्रीमती सावित्री बाई तथा जनपद पंचायत रौन की ग्राम पंचायत मेहदा सरपंच श्रीमती उमा देवी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सीईओ जिला पंचायत भिण्ड श्री चौहान ने सूचित कर कहा है कि आज दिनांक 11 सितम्बर 2026 को भ्रमण के दौरान पाया गया, कि गौवंश सड़क पर व सड़क के आसपास तथा सार्वजनिक स्थल किसानों की फसलों आदि जगह पर विचरण कर जन एवं धन की हानि हो रही है। गौवंश के सड़क पर व सड़क के आसपास विचरण करने के कारण परिवहन आदि में असुविधा के साथ-साथ सड़कों पर दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है। उक्त कृत्य आपके पदीय कर्तव्य के विपरीत होकर जनहित विरोधी है। अतः क्यों न आपके विरूद्ध म.प्र. पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 40 के अंतर्गत पद से पृथक करने की कार्यवाही की जावे? इस संबंध में आप अपना जबाव दिनांक 15 सितम्बर 2026 को समक्ष में उपस्थित होकर मय साक्ष्य सहित प्रस्तुत करें, समय-सीमा जबाव प्रस्तुत न करने एवं जबाव संतोषजनक न होने पर आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी, जिसके लिए आप स्वयं उत्तरदायी होंगे।

नपा द्वारा अमानक पालिथिन जप्त की गई

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता अरविंद गुप्ता जी के निर्देश एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री शैलेश अवस्थी जी के आदेश अनुसार विवेक श्रीवास्तव स्वच्छता निरीक्षक तथा उनकी टीम के द्वारा कृषि उपज मंडी नानाखेड़ी उमरी रोड क्षेत्र में दुकानों का निरीक्षण करने पर मां दुर्गा एंटरप्राइजेज एवं जैन श्री रेस्टोरेंट से चालानी कार्यवाही करते हुए 27 किलो 500 ग्राम प्रतिबंधित अमानक पॉलिथीन जप्त की गई जिसका बाजार मूल्य लगभग ?6000/- है तथा उक्त दुकानदारों द्वारा अमानक पॉलिथीन का उपयोग करने के लिए ?4000/- का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। साथ ही स्वच्छता निरीक्षक द्वारा मां इंटरप्राइजेज एवं अन्य सभी दुकानदारों को कड़ी चेतावनी दी गई है कि यदि भविष्य मैं प्रतिबंधित अमानक पॉलिथीन का उपयोग करते पाए जाते हैं।

जनविश्वास अभियान में शिक्षा व्यवस्था की खुली पड़ताल, छात्रावासों से स्कूल तक पहुंचे अपर संचालक डॉ. अरुण सिंह

डबरा, जीएनएस। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान-2026 के तहत राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के अपर संचालक डॉ. अरुण सिंह ने विकासखंड डबरा के अंतर्गत विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों और छात्रावासों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की हकीकत जानी। उन्होंने कस्तूरबा आवासीय बालिका छात्रावास एवं शासकीय विद्यालय गेडोल कलां, नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका छात्रावास सहराई तथा शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डबरा पहुंचकर साफ-सफाई, स्वच्छता, भोजन मेन्यू, रखरखाव, अपार आईडी, सीएम हेल्पलाइन, पुस्तक वितरण, विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं ठहराव सहित तमाम व्यवस्थाओं का गहनता से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से भी व्यवस्थाओं की जानकारी ली और शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति देखी। निरीक्षण के दौरान पंकज पाठक, मोबिलाइजेशन एपीसी, मदन मोहन शर्मा (बीएसी), विजय बाथम, फूलसिंह निगम (जनशिक्षक), बालिका-बालक छात्रावास की वार्डन एवं अधीक्षिका दीपका नरवरिया, अनीता शर्मा सहित संबंधित प्राचार्य एवं प्रधानाध्यापक मौजूद रहे।

निगम अध्यक्ष ने सीवर कार्य हेतु पारित ठहराव के क्रियान्वयन के लिए निगमायुक्त को लिखा पत्र

ग्वालियर, जीएनएस। परिषद के ठहराव क्र. 255 दिनांक 21.04.2026 में सर्वसम्मति से पारित निर्णय जिसमें सीवर सफाई का ठेका तत्काल समाप्त किया जाकर डेढ़ माह के अन्दर व्यवस्थाए सुनिश्चित किये जाने के साथ लिये गये अन्य निर्णय लेख किये गये थे। निगम अध्यक्ष श्री मनोज तोमर ने निगम परिषद के ठहराव का अक्षरांश पालन करने के लिए नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी को पत्र लिखा है।

निगम परिषद अध्यक्ष श्री मनोज तोमर द्वारा लिखे गए पत्र में लिखा है कि पारित ठहराव में निर्धारित अवधि निकलने के बावजूद क्रियान्वयन का प्रतिवेदन प्रेषित नहीं किया गया है और न ही निर्णय के क्रम में किये गये कार्य की प्रगति से अवगत कराया गया है। नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 18-क (2) के अनुसार अध्यक्ष को निगम के सम्मेलन में लिए गए विनिश्चयों पर आयुक्त से निष्पादन रिपोर्ट मंगवाने की शक्ति होगी तथा वह ऐसे मामलों को जहां निष्पादन तीन माह से परे लम्बित रहा हो तो उचित कार्यवाही के लिए कदम उठा सकेगा।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में पूरा ग्वालियर शहर सीवर समस्या से जनता त्रस्त है व दैनिक समाचार पत्रों, मीडिया में नकारात्मक समाचारों से निगम की छवि धूमिल हो रही है। जनता द्वारा जनप्रतिनिधियों से समस्याओं का निराकरण न होने पर रोष प्रकट किया जा रहा है तथा अधिकारियों द्वारा भी कोई कार्य धरातल पर न किया जाकर केवल लीपा-पोती की जा रही है।

अतः परिषद द्वारा पारित उक्त ठहराव के अनुसार कृत कार्यवाही से अवगत करावें। साथ ही सीवर कार्य से सम्बन्धित सहायक यंत्रीध् उपयंत्रियों को निर्देशित करें कि प्रतिदिन प्रातः क्षेत्रों का भ्रमण कर सम्बन्धित वार्ड के पार्षद से समन्वय स्थापित कर सीवर समस्याओं का निराकरण अपनी उपस्थिति में करायें तथा कराये गये कार्य की प्रगति का प्रतिवेदन सम्बन्धित जनप्रतिनिधि एवं आपके व्हॉटसएप पर प्रेषित करें तथा अपालन की स्थिति में उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जावे।

भिण्ड-गोरमी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

संपादकीय

डिजिटल नशे पर नियंत्रण जरूरी

डिजिटल तकनीक ने हमारे जीवन को पूरी तरह बदल दिया है। स्मार्टफोन, सामाजिक माध्यम, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल मनोरंजन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने जानकारी और सुविधाओं को हमारी उंगलियों तक पहुंचा दिया है। तकनीक आज शिक्षा, रोजगार, संचार और शोध का महत्वपूर्ण साधन बन चुकी है। लेकिन सुविधा के रूप में शुरू हुआ इसका अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग धीरे-धीरे ऐसी आदत में बदल सकता है, जिस पर नियंत्रण रखना मुश्किल हो जाए। यही बढ़ता डिजिटल नशा आज गंभीर चिंता का विषय है।

आज अनेक लोगों के दिन की शुरुआत और अंत मोबाइल की स्क्रीन देखकर होता है। बच्चे घंटों वीडियो देखने और ऑनलाइन खेल खेलने में बिताते हैं। विद्यार्थी पढ़ाई के बीच बार-बार सामाजिक माध्यम देखते हैं, जबकि बड़े भी काम और मनोरंजन के लिए लगातार मोबाइल से जुड़े रहते हैं। समस्या तब शुरू होती है, जब व्यक्ति आवश्यकता के बिना भी बार-बार फोन देखने लगे और उससे दूर रहने पर बेचैनी महसूस करे।

इसका सबसे गंभीर असर बच्चों और युवाओं पर पड़ सकता है। लंबे समय तक स्क्रीन के सामने रहने से शारीरिक गतिविधियां कम होती हैं, नींद प्रभावित हो सकती है और एकाग्रता में बाधा आती है। पढ़ाई, खेल, सामाजिक माध्यम और मनोरंजन के बीच लगातार ध्यान बदलने से गहराई से सोचने और धैर्यपूर्वक किसी काम को पूरा करने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है। किताब पढ़ने, मैदान में खेलने और आमने-सामने बातचीत करने के बजाय त्वरित डिजिटल मनोरंजन अधिक आकर्षक लगने लगता है।

डिजिटल नशा केवल व्यक्ति को प्रभावित नहीं करता, बल्कि पारिवारिक और सामाजिक संबंधों पर भी असर डालता है। एक ही कमरे में बैठे परिवार के सदस्य कई बार एक-दूसरे से बातचीत करने के बजाय अपने-अपने मोबाइल में व्यस्त दिखाई देते हैं। लोगों को जोड़ने के लिए बनाए गए उपकरण कई बार भावनात्मक दूरी का कारण भी बन जाते हैं। लगातार आने वाली सूचनाएं, छोटे वीडियो और अंतहीन डिजिटल सामग्री व्यक्ति का ध्यान बांधे रखते हैं। कई बार लोग बिना किसी वास्तविक आवश्यकता के बार-बार मोबाइल देखते रहते हैं और उन्हें समय बीतने का पता ही नहीं चलता। यह आदत धीरे-धीरे समय और ध्यान दोनों पर कब्जा कर सकती है। इसका समाधान तकनीक को छोड़ देना नहीं है। तकनीक आधुनिक जीवन की आवश्यकता है। जरूरत इस बात की है कि तकनीक हमारे नियंत्रण में रहे, हम तकनीक के नियंत्रण में न आ जाएं। माता-पिता बच्चों के लिए निश्चित समय को स्क्रीन-मुक्त रख सकते हैं। भोजन और सोने से पहले मोबाइल से दूरी उपयोगी हो सकती है। विद्यालयों में भी बच्चों को तकनीक के जिम्मेदार उपयोग और वास्तविक जीवन से संतुलन बनाए रखने के लिए जागरूक किया जाना चाहिए। वयस्कों को स्वयं भी संयमित व्यवहार अपनाना होगा, क्योंकि बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। कुछ छोटे उपाय बड़ा बदलाव ला सकते हैं। पढ़ाई और जरूरी काम के समय मोबाइल दूर रखना, अनावश्यक सूचनाएं बंद करना, बीच-बीच में स्क्रीन से विश्राम लेना, किताब पढ़ना, बाहर खेलना, प्रकृति के बीच समय बिताना और परिवार के साथ आमने-सामने बातचीत करना उपयोगी हो सकता है।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

रेट्रो फैशन ने लौटकर याद दिलाई उस दौर की सादगी

1980 की वापसी : कपड़े बदले, बचपन नहीं लौटा

डॉ. विजय गर्ग

फैशन की एक दिलचस्प आदत है–वह समय की सीमाएं नहीं मानता। जो कुछ दशकों पहले पुराना हो चुका होता है, वही कुछ समय बाद नए अंदाज में लौटकर आधुनिक और आकर्षक कहलाने लगता है। आज 1980 के दशक के चमकीले रंग, ढीले-ढाले कपड़े, डेनिम, पुराने डिजाइन, पारंपरिक केश विन्यास और पुराने दौर की साज-सज्जा फिर फैशन में दिखाई दे रही है। अतीत का अंदाज नए दौर की पसंद बन गया है।

लेकिन इस वापसी के बीच एक सवाल भी उठता है–अगर 1980 का फैशन लौट सकता है तो उस दौर का बचपन क्यों नहीं लौट सकता?

1980 का दशक आज के समय से बिल्कुल अलग था। उस दौर में स्मार्टफोन, सामाजिक माध्यम, ऑनलाइन पढ़ाई और चौबीसों घंटे उपलब्ध डिजिटल मनोरंजन जैसी चीजें बच्चों की दुनिया का हिस्सा नहीं थीं। बचपन का बड़ा हिस्सा घर की चारदीवारी से बाहर बीतता था। बच्चे मैदानों में खेलते, साइकिल चलाते, पतंग उड़ाते, दोस्तों के घर जाते और परिवार के साथ छोटी-छोटी खुशियां बांटते थे।

उन दिनों खेल के लिए महंगे उपकरणों की जरूरत नहीं होती थी। एक गेंद, एक साइकिल, पतंग या कुछ दोस्त मिल जाएं तो घंटों की दुनिया तैयार हो जाती थी। बच्चे अपने खेल खुद गढ़ते थे। खेल के नियम भी कई बार वे स्वयं बनाते और बदलते थे। इसी प्रक्रिया में वे सहयोग, धैर्य, हार-जीत को स्वीकार करना और दोस्ती निभाना सीखते थे।

तकनीक ने सुविधा दी, बचपन का स्वरूप बदला

आज के बच्चों के पास ऐसी तकनीक उपलब्ध है, जिसकी कल्पना पिछली पीढ़ियां नहीं कर सकती थीं। मोबाइल फोन, टैबलेट, वीडियो गेम और विभिन्न डिजिटल मंच मनोरंजन के साथ पढ़ाई और जानकारी के भी अनेक अवसर उपलब्ध कराते हैं। दुनिया के किसी भी कोने की जानकारी कुछ क्षणों में हासिल की जा सकती है। दूर बैठे लोगों से तत्काल संवाद संभव है। सीखने के साधन पहले से कहीं अधिक व्यापक हुए हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि आधुनिक तकनीक ने जीवन को आसान और सुविधाजनक बनाया है। समस्या तकनीक के अस्तित्व में नहीं, बल्कि उसके अत्यधिक उपयोग में है।

आज अनेक बच्चे लंबे समय तक पर्दे के सामने बिताते हैं। मित्रों से आमने-सामने मिलने के बजाय संदेशों और ऑनलाइन खेलों के माध्यम से संवाद करना सामान्य होता जा रहा है। बाहर मैदान में दौड़ने और खेलने की जगह घर के भीतर रहकर डिजिटल मनोरंजन में समय बिताना आसान लगता है। इसका परिणाम यह है कि बच्चे आभासी दुनिया से तो लगातार जुड़े हैं, लेकिन प्रकृति, पड़ोस और कई बार परिवार के सदस्यों से उनका प्रत्यक्ष जुड़ाव कम होता जा रहा है।

बात अतीत बनाम वर्तमान की नहीं

यह कहना उचित नहीं होगा कि 1980 का दशक हर दृष्टि से आज से बेहतर था। उस समय शिक्षा, संचार और सूचना तक पहुंच आज जैसी आसान नहीं थी। तकनीक की सीमाओं के कारण अनेक सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। आज की पीढ़ी के पास ज्ञान और अवसरों के कहीं अधिक साधन हैं।

इसलिए सवाल पुराने समय को आदर्श मानने या नए समय को दोष देने का नहीं है। असली जरूरत संतुलन की है। हम 1980 के दशक का पूरा जीवन वापस नहीं ला सकते और न ही इसकी जरूरत है। लेकिन उस दौर के बचपन के कुछ मूल्य आज भी अपनाए जा सकते हैं।

बच्चों को कुछ समय बाहर खेलने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। उन्हें किताबों से दोस्ती करने, दादा-दादी और नाना-नानी के साथ समय बिताने, परिवार के साथ बैठकर बातचीत करने, प्रकृति को देखने-समझने और अपनी रुचियों को विकसित करने के अवसर दिए जा सकते हैं। दिन के कुछ घंटे डिजिटल उपकरणों से दूरी बच्चों की कल्पना और रचनात्मकता के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

खेल से मिलती है जिंदगी की समझ

बचपन केवल मनोरंजन का समय नहीं होता। यही वह अवस्था है, जब बच्चा सामाजिक व्यवहार, सहयोग, प्रतिस्पर्धा, असफलता और धैर्य जैसी जीवन की महत्वपूर्ण बातें सीखता है। मैदान में खेलते हुए बच्चा हारता भी है, जीतता भी है और कई बार अपने मित्र से नाराज होकर फिर उसी के साथ खेलना शुरू कर देता है।

ये अनुभव किसी डिजिटल खेल में उसी तरह नहीं मिल सकते।

जब बच्चे मिट्टी, पेड़-पौधों, बारिश, धूप और खुले मैदान के संपर्क में आते हैं तो उनका संबंध अपने आसपास की दुनिया से बनता है। वे केवल जानकारी हासिल नहीं करते, बल्कि अनुभव अर्जित करते हैं। यही अनुभव उनके व्यक्तित्व और संवेदनशीलता को आकार देते हैं।

फैशन लौट सकता है, बचपन नहीं : रेट्रो फैशन की वापसी हमें यह सोचने का अवसर देती है कि समाज अक्सर प्रेरणा के लिए अतीत की ओर लौटता है। कपड़ों के पुराने डिजाइन फिर बनाए जा सकते हैं, पुराने रंग फिर पसंद किए जा सकते हैं और पुराने अंदाज को नए रूप में अपनाया जा सकता है।

लेकिन बचपन को उसी रूप में वापस नहीं लाया जा सकता। समय हमेशा आगे बढ़ता है। फिर भी पुराने बचपन से जुड़ी जिज्ञासा, स्वतंत्रता, दोस्ती, कल्पना और सादगी को आज भी बचाया जा सकता है।

हमें 1980 के दशक की नकल करने की जरूरत नहीं है। जरूरत इस बात की है कि आधुनिक बचपन में तकनीक की उपयोगी सुविधाओं के साथ मानवीय संबंधों और प्रत्यक्ष अनुभवों के लिए भी पर्याप्त जगह हो।

आज के बच्चे तकनीक से दूर नहीं रह सकते और न ही उन्हें इससे दूर रखना उचित होगा। लेकिन यह जरूर सुनिश्चित किया जा सकता है कि तकनीक उनके बचपन की पूरी दुनिया न बन जाए।

किशोर और स्क्रीन : क्या किताबें पीछे छूट रही हैं?

डॉ. विजय गर्ग

डिजिटल युग ने किशोरों के सीखने, संवाद करने और खाली समय बिताने का तरीका पूरी तरह बदल दिया है। स्मार्टफोन, टैबलेट, सामाजिक माध्यम, ऑनलाइन वीडियो और डिजिटल मनोरंजन उनके दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। तकनीक ने शिक्षा और रचनात्मकता के नए अवसर खोले हैं, लेकिन इसके साथ एक गंभीर सवाल भी सामने आया है–क्या बढ़ता स्क्रीन समय किशोरों को किताबों से दूर कर रहा है?

ज्ञान, कल्पना और आलोचनात्मक चिंतन के विकास में पढ़ने की आदत की भूमिका हमेशा महत्वपूर्ण रही है। किताब पढ़ना केवल जानकारी हासिल करना नहीं, बल्कि एकाग्रता, धैर्य और किसी विचार को गहराई से समझने की प्रक्रिया भी है। इसके विपरीत आज कई किशोरों को छोटी-छोटी वीडियो, सामाजिक माध्यमों की सामग्री, ऑनलाइन खेल और त्वरित डिजिटल मनोरंजन अधिक आकर्षक लगते हैं। इसका कारण यह है कि डिजिटल माध्यम तुरंत मनोरंजन और लगातार नई उत्तेजना उपलब्ध कराते हैं।

एकाग्रता के सामने बड़ी चुनौती : बढ़ते स्क्रीन उपयोग की सबसे बड़ी चुनौतियों में एक ध्यान केंद्रित करने की क्षमता में कमी है। डिजिटल माध्यम लगातार नई सामग्री सामने रखते हैं। एक वीडियो समाप्त होते ही दूसरा, एक संदेश के बाद दूसरा संदेश और एक पोस्ट के बाद नई पोस्ट सामने आ जाती है। इससे तेजी से सामग्री बदलने की आदत विकसित होती है। इसके विपरीत किताब पढ़ने के लिए धैर्य और लंबे समय तक एक ही विषय से जुड़े रहने की आवश्यकता होती है। जब किशोर तेज गति वाली डिजिटल सामग्री के अभ्यस्त हो जाते हैं, तो लंबे समय तक किताब पढ़ना उन्हें कठिन या कम रोचक लग सकता है। पढ़ने की आदत कम होने का प्रभाव केवल साहित्य तक सीमित नहीं रहता। नियमित पढ़ने से शब्दावली, भाषा कौशल, समझ और संवाद क्षमता बेहतर होती है। किताबें किशोरों को अलग-अलग संस्कृतियों, अनुभवों और विचारों से परिचित कराती हैं। साहित्य कल्पना और संवेदनशीलता विकसित करता है, जबकि ज्ञानवर्धक पुस्तकें जिज्ञासा और स्वतंत्र चिंतन को बढ़ावा देती हैं।

तकनीक को दोष देना समाधान नहीं : हालांकि इस स्थिति के लिए केवल तकनीक को दोष देना उचित नहीं होगा। डिजिटल माध्यम पढ़ने की आदत को बढ़ाने में भी उपयोगी हो सकते हैं। इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकें, ऑनलाइन पुस्तकालय, शैक्षिक वेबसाइट, डिजिटल समाचार-पत्र और श्रव्य पुस्तकें ज्ञान को पहले से कहीं अधिक सुलभ बना रही हैं।

असल समस्या यह नहीं है कि किशोर स्क्रीन का उपयोग कर रहे हैं, बल्कि यह है कि वे स्क्रीन पर क्या कर रहे हैं और कितने समय तक कर रहे हैं। यदि तकनीक का उपयोग सीखने, शोध, रचनात्मकता और ज्ञानवर्धन के लिए हो रहा है तो वह उपयोगी है। समस्या तब शुरू होती है जब मनोरंजन और निरंतर स्क्रीन उपयोग पढ़ने, खेलकूद, परिवार और सामाजिक जीवन का स्थान लेने लगता है।

परिवार और विद्यालय की भूमिका : माता-पिता और विद्यालयों की भूमिका यहां महत्वपूर्ण हो जाती है। किशोरों को केवल मोबाइल से दूर रहने की सलाह देने के बजाय उन्हें डिजिटल मनोरंजन और सार्थक गतिविधियों के बीच संतुलन बनाना सिखाया जाना चाहिए। प्रतिदिन पढ़ने के लिए निश्चित समय निर्धारित किया जाए तो धीरे-धीरे यह आदत का रूप ले सकता है।

घर में ऐसा वातावरण भी जरूरी है जहां किताबें आसानी से उपलब्ध हों और बच्चे जो पढ़ रहे हैं, उस पर उनसे बातचीत की जाए। विद्यालय पाठ्यपुस्तकों से आगे पढ़ने की संस्कृति विकसित कर सकते हैं। पुस्तक क्लब, पुस्तकालय, पठन प्रतियोगिता, कहानी-वाचन और पुस्तकों पर चर्चा जैसी गतिविधियां पढ़ने को बोझ के बजाय आनंद का माध्यम बना सकती हैं। किशोरों को अपनी रुचि के अनुसार पुस्तक चुनने की स्वतंत्रता भी मिलनी चाहिए। किसी को विज्ञान पसंद हो सकता है, किसी को जीवनी, इतिहास, साहित्य, रोमांच, खेल या समसामयिक विषय। जब पढ़ना पसंद से जुड़ता है, तो उसके आदत बनने की संभावना बढ़ जाती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वयस्क स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करें। यदि बच्चे माता-पिता और शिक्षकों को लगातार मोबाइल देखते हुए, लेकिन शायद ही कभी किताब पढ़ते हुए देखते हैं, तो पढ़ने के महत्व का संदेश उन पर प्रभावी नहीं होगा।

कोई धर्म नफरत का प्रचार नहीं करता : दिग्विजय सिंह पूर्व मुख्यमंत्री

दतिया, जीएनएस। कोई धर्म नफरत का प्रचार नहीं करता, इंसानियत ही सभी धर्म का मूल आधार है। यह बात पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने दतिया विधायक घनश्याम सिंह के किला स्थित निवास पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए कही।

उन्होंने 20 अक्टूबर दशहरा से शुरू हो रही सनातन धर्म स्वाभिमान यात्रा के संबंध में बताया कि उज्जैन महालोक में हुए भ्रष्टाचार के कुछ प्रमाण मेरे पास में और श्रीराम जन्म भूमि न्यास में जो भ्रष्टाचार हुआ है वह जग जाहिर है। उज्जैन महाकाल से अयोध्या जी तक में पैदल यात्रा 20 अक्टूबर दशहरा के दिन से शुरू कर रहा हूं।

पूर्व में भी मैंने दशहरा के दिन से नर्मदा जी की पदयात्रा की थी। दशहरा अधर्म पर धर्म की विजय का संकेत है।

मैं असमंजस्य में था कि क्या यह यात्रा सफल होगी। आज सुबह मेरी नींद जल्दी टूट गई और मुझे माई से प्रेरणा मिली मैं दृढ़ता से पदयात्रा शुरू करूंगा और उन सब लोगों का भ्रष्टाचार उजागर करूंगा जो धर्म के नाम पर व्यवसाय कर रहे हैं, समाज में नफरत फैला रहे हैं। क्योंकि धर्म जोड़ता है और राजनीति तोड़ती है, राजनीति

कटुता, नफरत फैलती है। सनातन धर्म में कटुता और नफरत का कोई स्थान नहीं हैं। सनातन धर्म में हम नारे लगाते हैं धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो। प्राणियों में सद्भावना हो, विश्व का कल्याण हो।

यही सनातन धर्म है। मैंने कुरान पढ़ी है, गीता, बाइबिल और गुरु ग्रंथ साहब भी पढ़ा है।

किसी भी धर्म में नफरत नहीं है। सभी धर्मों में सद्भाव हैं। कोई धर्म में नफरत का प्रचार नहीं करता, इंसानियत ही सभी धर्म का मूल आधार है।

मनुस्मृति में नहीं है वर्ण व्यवस्था का वर्णन-

श्री सिंह ने कहा कि आजकल मनुस्मृति की चर्चा बहुत हो रही हैं। मनु स्मृति में कहीं भी वर्ण व्यवस्था नहीं हैं। मनु स्मृति के 50 से ज्यादा वर्णन है जो अलग-अलग है। भृगु संहिता में वर्ण व्यवस्था का वर्णन है, वह कर्म से है, न कि जन्म से।

बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को आप शुद्ध मानेंगे कि ब्राह्मण। व्यक्ति किस वर्ण में जन्म लेगा यह वह तय नहीं कर सकता, ईश्वर ने जहां जिसको पैदा कर दिया सो कर दिया।

हम एक बात जानते हैं कि सनातन धर्म विभाजित नहीं करता। स्वयं बाबा साहब ने जात-पात को मिटाने का संकल्प लिया हुआ था।

मैं तो कबीर का अनुयाई हूं जिन्होंने लिखा जात, पात पूछे ना कोई, हरि को भजे सो हरि का होई।

मैं तो इसी आदर्श को मानता हूं यही आदर्श आदि शंकराचार्य जी का था।

सनातन धर्म स्वाभिमान यात्रा का मकसद एक ही है कि देश में सनातन धर्म को बदनाम करने के लिए जो उन्माद और नफरत कुछ संस्थाओं द्वारा फैलाई जा रही है उनमें हिंदू,मुस्लिम, सिख इसाई सभी हैं। मैं उनका विरोध करता हूं जो धर्म के नाम पर समाज में नफरत फैलाता है। सनातन धर्म स्वाभिमान यात्रा का यही उद्देश्य है।

एक दुकानदार पर ग्राहक ने लगभग 15हजार रुपए का सामान लेकर बिना पैसे दिए हुए रफू चक्कर

कालपी। शुक्रवार को सुबह टरननगज स्थित चौराहे समीप चांद मंसूरी स्थित परचूनी दुकान पूर्व की तरह संचालन कर रहा था वहीं आए हुए ग्राहक ने 15 हजार रुपए का सामान लेकर बिना पैसा देकर झांसा देकर रफू चक्कर हो गया उक्त घटना पर पीड़ित ने कोतवाली कालपी में शिकायती पत्र प्रस्तुत कर आरोपी पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की थी घटना के बाबत प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी ने पुलिस बल के साथ घटना स्थल में पहुंचकर प्रत्येक बिंदुओं में जांच की जांच में यह पाया गया की पूर्वी की तरह ग्राहक जैसे ही दुकान पर आते थे वैसे ही ग्राहक आया उसके मांगने पर सामान दिया दुकानदार ने पैसा ना लेना दुकानदार की गलती साबित हुई।

डबरा में जलभराव से बिगड़े हालात, बच्चों का स्कूल जाना मुश्किल; विधायक भी पहुंचे, फिर भी नहीं हुआ समाधान

डबरा, जीएनएस। डबरा शहर की दर्शन कॉलोनी आरा मशीन के पीछे एवं आसपास जलभराव ने स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। वार्ड क्रमांक 06 के रहवासियों का कहना है कि नालियां साफ नहीं होने और पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण घरों के आगे, पीछे और आसपास भारी मात्रा में पानी जमा हो गया है। जलभराव के चलते लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है, वहीं बच्चों को स्कूल जाने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी भीकम साहू ने बताया कि नाले-नालियां साफ नहीं हैं और पानी की निकासी के लिए उचित जगह नहीं होने से बारिश का पानी कॉलोनी में ही जमा हो रहा है। उनका कहना है कि कई दिनों से लोग इस समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो सका है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि समस्या केवल बारिश की नहीं, बल्कि नगर पालिका की लंबे समय से चली आ रही लापरवाही का नतीजा भी है। रहवासियों के मुताबिक कॉलोनी में सड़कें कई स्थानों पर ऊंची हैं और मकानों के आसपास का भू-भाग नीचे होने के कारण बारिश का पानी निकलने के बजाय घरों के आसपास जमा हो रहा है। जलभराव के कारण गंदगी और दूषित पानी से बीमारियां फैलने की आशंका भी बनी हुई है। लोगों का कहना है कि विधायक भी मौके पर पहुंचकर हालात देख चुके हैं और पानी निकासी की समस्या को लेकर मांग उठाई गई, लेकिन इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। सबसे बड़ा सवाल नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर उठ रहा है कि जब इन क्षेत्रों में प्लॉटिंग और कॉलोनियों का विकास किया जा रहा था, तब पानी की निकासी, नालियों और सड़क निर्माण की समुचित व्यवस्था पर ध्यान क्यों नहीं दिया गया। लोगों का कहना है कि जब मकान बन गए और कॉलोनी आबाद हो गई, तब जलनिकासी की व्यवस्था करना बेहद मुश्किल हो गया है। यदि इसी तरह शहर में अवैध कॉलोनियों की प्लॉटिंग होती रही और विकास के दौरान जलनिकासी की व्यवस्था की अनदेखी की गई, तो आने वाले समय में डबरा के कई अन्य इलाकों में भी जलभराव की समस्या गंभीर रूप ले सकती है।

स्थानीय लोगों ने नगर पालिका से तत्काल नाले-नालियों की सफाई कराने, जमा पानी की निकासी कराने और भविष्य के लिए स्थायी ड्रेनेज व्यवस्था विकसित करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि फिलहाल डबरा नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं, क्योंकि विधायक के मौके पर पहुंचने के बाद भी रहवासियों को जलभराव से राहत नहीं मिल सकी है।

ग्राम में सिलेंडर से लगी आग पर प्रभारी निरीक्षक ने पहुंचकर परिवार को बाल बाल बचाया

जालौन। उदय नारायण पुत्र रामेश्वर दयाल पाल निवासी मगरौल शुक्रवार के दिन गमी होने पर शुद्धता का कार्यक्रम चल रहा था इस समय उनके घर में जल रहे सिलेंडर पर अचानक आग लग गई आग लगने पर अपरा तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया वहीं घटना पर प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी हलका इंचार्ज रामजीलाल पुलिस बल के साथ घटनास्थल में पहुंचे वही तेजिगत से जल रहे सिलेंडर को बड़ी मशक्कत के बाद आग को बूझकर परिवार तथा पड़ोसियों को बाल बाल बचाया ।

तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण से तीन आरोपियों की पहचान, दो गिरफ्तार, फरार एक की तलाश जारी

गुना, जीएनएस। गुना पुलिस अधीक्षक श्रीमती हितिका वासल के कुशल एवं संवेदनशील नेतृत्व में गुना पुलिस द्वारा जिले में अपराधियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी एवं सख्त कार्यवाहियां की जा रही हैं । विशेष रूप से हिंसक, गंभीर एवं सनसनीखेज घटनाओं में त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जा रही है । इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत सिंह सुमन के मार्गदर्शन एवं प्रभारी सीएसपी गुना श्री आनंद राय के पर्यवेक्षण में गुना कोतवाली थाना पुलिस द्वारा विगत दिनों शहर की हनुमान गली में साइड मांगने के विवाद को लेकर युवक के साथ मारपीट

करने वाले आरोपियों की पहचान कर दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है । दिनांक 26 अगस्त 2026 को फरियादी अभय कलावत उम्र 25 वर्ष निवासी तलैया मोहल्ला गुना के द्वारा गुना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि आज शाम वह अपने घर से बाजार जा रहा था । हनुमान गली में पहुंचने पर उसकी स्कूटी के सामने 2-3 अज्ञात व्यक्ति पैदल चल रहे थे । उसके द्वारा उन्हें साइड हटने के लिए कहने पर उन्होंने आक्रोशित होकर उसके साथ गाली-गलौज करते हुए लात-घूंसों से मारपीट की । फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस द्वारा अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध गुना कोतवाली में अप.क्र. 497/2026, धारा 115(2), 296, 351(2), 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई ।

घटना की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए गुना कोतवाली पुलिस द्वारा तत्काल अज्ञात आरोपियों की पहचान के प्रयास प्रारंभ किए गए । पुलिस टीम द्वारा अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय करने के साथ ही घटनास्थल एवं उसके आसपास लगे सीसीटीव्ही कैमरों के फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया गया । तकनीकी साक्ष्यों एवं अन्य माध्यमों से पुलिस द्वारा घटना में शामिल तीन आरोपियों की पहचान कर ली गई तथा उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए गए । जिनकी तलाश के क्रम में आज दिनांक 11 सितंबर 2026 को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस द्वारा तत्परता से कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों 1-समीर पुत्र हबीब खान उम्र 27 वर्ष निवासी कर्नेलगंज गुना एवं 2-आशिक पुत्र काले खां उम्र 26 वर्ष निवासी हड्डीमील गुना को हिरासत में लेकर वैधानिक कार्यवाही की गई ।

अवैध वसूली मामले में पुलिस अधीक्षक की कार्यवाही आरक्षक निलंबित

अवैध वसूली के मामले में भांडेर थाने में पदस्थ आ. सौरभ बाजपेई निलंबित। कुछ दिन पहले अवैध बसूली पर एक प्राइवेट व्यक्ति पर भांडेर पुलिस ने किया था मामला दर्ज।जाँच के दौरान आ सौरभ बाजपेई की भूमिका में मिली संदिग्ध।भांडेर में पदस्थ आ. प्राइवेट गुर्गो से करा रहा था अवैध वसूली पुलिस कप्तान ने प्राइवेट लोगों पर तत्काल एफआईआर दर्ज करने के दिए थे निर्देश। वहीं जांच के बाद आरक्षक को किया निलंबित दतिया पुलिस अधीक्षक मयूर खंडेलवाल की कार्रवाई।

सीवर समस्या निराकरण के लिए अधिकारी करें गंभीरता से कार्य - महापौर डॉ. सिकरवार

ग्वालियर, जीएनएस। शहर की सीवर समस्या एवं खराब सडकों को लेकर महापौर डॉ शोभा सतीश सिकरवार ने अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में महापौर डॉ. सिकरवार ने अधिकारियों को चेतावनी दी है कि सात दिनों में सीवर एवं पेंच रिपेयरिंग से संबंधित समस्याओं का निराकरण गंभीरता से करें। सात दिन बाद जो भी कार्य किए गए हैं, उनका पूरा विवरण एवं कार्यो की जानकारी लेकर आएं। बैठक में उपनेता सत्तापक्ष श्री मंगल यादव एमआईसी सदस्य श्री अवधेश कौरव, श्री नाथूराम ठेकेदार, श्री शकील मंसूरी, श्रीमती संध्या कुशवाह, श्रीमती प्रेमलता धर्मेन्द्र जैन, श्रीमती मोनिका मनीष शर्मा, श्री विनोद यादव माटू, नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी, अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव, श्री प्रदीप तोमर, अधीक्षण यंत्री श्री एसएल बाथम सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

महापौर ने सर्वप्रथम सीवर समस्या का अधिकारियों से समाधान पूछा। इसके साथ ही उन्होंने सीवर संधारण कार्य के लिए लगाए गए मैन पावर के बारे में जानकारी मांगी। इस पर अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने 36 वार्डों में मैनपावर उपलब्ध करा दिए हैं। जबकि अन्य वार्डों में अभी

मैन पावर उपलब्ध कराया जाना बाकी हैं। इस पर महापौर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि 7 दिनों के अंदर हर हाल में सभी वार्डो में मैनपावर उपलब्ध कराई जाए।

इसके साथ ही उन्होंने सीवर संधारण कार्य में लगी मशीनरी की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने ठेकेदार के पास संसाधनों की जानकारी भी ली। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने बताया कि वह इसका अवलोकन कर रहे हैं कि नवीन मशीनरी को खरीदने में कितना खर्च आएगा अथवा किराए पर लेने में कितना खर्च आएगा। इसके बाद ही निर्णय लिया जाएगा। इसके बाद महापौर ने पेचवर्क के कार्यो को लेकर नाराजगी जताई उन्होंने कहा कि हर हाल में 7 दिनों के अंदर शहर की सडकें गड्ढा मुक्त होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए भले ही रात दिन कार्य करना पडें। इसके साथ ही महापौर ने निर्देष दिए कि अगली बैठक में पूरी जानकारी लेकर आएं। साथ ही सात दिनों में अमृत योजना के कार्य पूर्ण करें।

यह भी दिए निर्देश

महापौर डॉ शोभा सतीश सिकरवार ने निर्देष दिए हैं कि कर्मचारियों को सीवर संधारण कार्य के लिए सामान उपलब्ध कराएं। पेचवर्क कार्य को हर हाल में पूर्ण करें। गारंटी पीरियड की सडकें ठेकेदार से कराएं, जबकि बिना गारंटी वाली सडके नगर निगम ठीक करे। सात दिनों बाद वह फिर से सडक के पेचवर्क कार्य को लेकर बैठक लेंगी। महापौर ने निर्देष दिए हैं कि सभी क्षेत्राधिकारी सुबह अपने अपने क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों के साथ भ्रमण करें, जिससे जो भी समस्या हो उसका तत्काल निराकरण किया जा सके।

नालों की कराएं सफाई

महापौर डॉ शोभा सतीश सिकरवार ने निर्देष दिए हैं कि वार्ड क्रमांक 18 व 19 में नालों की हालत काफी खराब है, जिसके कारण वहां पर भारी समस्या आ रही है। उन्होंने निर्देष दिए कि नालों की सफाई का कार्य कराया जाए।

जापान की साख निर्धारण संस्था ने भारत की रेटिंग बढ़ाकर ए- की; तेज आर्थिक विकास

भारत की सार्वभौम साख में बढ़ा दुनिया का भरोसा

प्रहलाद सबनानी

भारत की तेजी से मजबूत होती अर्थव्यवस्था और लगातार जारी आर्थिक सुधारों पर दुनिया का भरोसा बढ़ रहा है। जापान की साख निर्धारण संस्था ने भारत की सार्वभौम साख निर्धारण को बीबीबी प्लस से बढ़ाकर ए-माइनस कर दिया है। यह बदलाव ऐसे समय हुआ है, जब भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा है। करीब आठ प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर, मजबूत बैंकिंग व्यवस्था, बढ़ता विदेशी मुद्रा भंडार, घटता राजकोषीय घाटा और आधारभूत ढांचे पर बढ़ता सरकारी खर्च भारत की आर्थिक मजबूती के प्रमुख संकेतक बने हैं।

सार्वभौम साख निर्धारण किसी देश की आर्थिक और वित्तीय स्थिति का महत्वपूर्ण पैमाना माना जाता है। किसी देश की साख जितनी बेहतर होती है, अंतरराष्ट्रीय बाजार से उसके लिए कर्ज लेना उतना ही आसान और अपेक्षाकृत कम ब्याज पर संभव होता है। बेहतर साख से विदेशी निवेशकों का भरोसा भी बढ़ता है, क्योंकि वे ऐसे देश में निवेश को अपेक्षाकृत सुरक्षित मानते हैं।

आठ आधारों पर मजबूत हुई भारत की स्थिति : भारत की साख बढ़ाने के पीछे जापानी संस्था ने कई आर्थिक और वित्तीय आधारों को महत्वपूर्ण माना है। सबसे पहला आधार देश की तेज आर्थिक वृद्धि है। भारत की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर करीब आठ प्रतिशत बनी हुई है और वह दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाला देश बना हुआ है। वैश्विक आर्थिक वृद्धि में भारत की भूमिका भी लगातार बढ़ रही है।

दूसरा आधार भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और निवेश के लिए बढ़ता आकर्षण है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। नागरिकों को अपने विचार व्यक्त करने की स्वतंत्रता और मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाओं के कारण दूसरे देशों का भरोसा भारत पर बढ़ा है। विदेशी निवेश में लगातार वृद्धि इसका संकेत है। विदेशों में रहने वाले भारतवंशियों द्वारा भारतीय बैंकों में करीब 13,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर जमा किए जाने को भी देश की आर्थिक ताकत का संकेत माना गया है।

तीसरा आधार आर्थिक सुधार हैं। हाल में वस्तु एवं सेवा कर की दरों में कमी की गई, जिससे नागरिकों की जेब में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि पहुंचने का अनुमान है। इससे लोगों की खर्च करने की क्षमता बढ़ी है और मांग को गति मिलने की उम्मीद है।

चौथा आधार देश का मजबूत होता डिजिटल ढांचा है। भारत की एकीकृत भुगतान व्यवस्था की मांग अब दूसरे देश भी कर रहे हैं। जनधन योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों के बैंक खाते खोले गए और उन्हें आधार से जोड़ा गया। मोबाइल फोन के माध्यम से बैंकिंग सेवाएं आम लोगों तक पहुंची हैं। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण व्यवस्था को भी सरल बनाया गया है। इससे सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे हितग्राहियों तक पहुंचने और भ्रष्टाचार कम करने में मदद मिली है।

बैंकिंग क्षेत्र में बड़ा सुधार

पांचवां महत्वपूर्ण आधार वित्तीय क्षेत्र की मजबूती है। मार्च 2026 में समाप्त वित्तीय वर्ष में भारतीय बैंकों की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां 1.8 प्रतिशत से भी नीचे आ गईं। यह अपने आप में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। बैंकों की वित्तीय स्थिति सुधरने से पूरी अर्थव्यवस्था की मजबूती बढ़ती है और उद्योगों को कर्ज उपलब्ध कराने की क्षमता भी बेहतर होती है।

छठा आधार सरकारी खर्च की गुणवत्ता में सुधार है। केंद्र सरकार का पूंजीगत खर्च पिछले पांच वर्षों में करीब तीन गुना हुआ है। इसका असर रेल, सड़क, बंदरगाह और अन्य आधारभूत ढांचे के विस्तार के रूप में दिखाई दे रहा है। मजबूत आधारभूत ढांचा विदेशी निवेशकों को भारत में निवेश बढ़ाने के लिए आकर्षित करता है और आर्थिक गतिविधियों को गति देता है।

सातवां आधार विदेशी मुद्रा भंडार है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार करीब 68,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इतना बड़ा भंडार वैश्विक आर्थिक उतार-चढ़ाव के समय भारत के लिए सुरक्षा कवच का काम करता है।

आठवां आधार राजकोषीय घाटे में कमी है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में राजकोषीय घाटा 9.2 प्रतिशत था, जो वित्तीय वर्ष 2025-26 में घटकर 4.4 प्रतिशत रह गया। घाटे में यह कमी सरकार के वित्तीय अनुशासन और अर्थव्यवस्था की बेहतर स्थिति का संकेत है।

पश्चिमी साख संस्थाओं से अलग तस्वीर

भारत की साख में जापान की संस्था के इस सुधार के बावजूद पश्चिमी देशों की प्रमुख साख निर्धारण संस्थाओं ने भारत के मामले में अपेक्षाकृत धीमी गति दिखाई है। फिच ने अगस्त 2006 के बाद से भारत की सार्वभौम साख में बदलाव नहीं किया है और यह बीबीबी माइनस पर बनी हुई है।

स्टैंडर्ड एंड पूअर्स ने 27 अगस्त 2026 को 18 वर्ष बाद भारत की साख में सुधार करते हुए इसे बीबीबी किया है। वहीं मूडीज ने जून 2020 के बाद भारत की साख में कोई बदलाव नहीं किया और भारत को बीएए3 की श्रेणी में रखा है।

ऐसे में सवाल उठता है कि जब भारत की आर्थिक और वित्तीय स्थिति में पिछले वर्षों में महत्वपूर्ण सुधार हुए हैं तो सभी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय साख संस्थाओं की रेटिंग में उसका पूरा असर क्यों नहीं दिखाई देता। जापान की संस्था का ताजा निर्णय इस अंतर को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण संकेत माना जा सकता है।

दुनिया की प्रमुख वित्तीय संस्थाओं ने भी माना भारत का बदलाव

भारत की आर्थिक प्रगति को लेकर दुनिया की प्रमुख वित्तीय संस्थाओं ने भी सकारात्मक रिपोर्ट जारी की हैं। जेफ्रीज की रिपोर्ट में कहा गया है कि मोबाइल फोन, इस्पात, सीमेंट, सौर पैनल और ट्रक निर्माण के क्षेत्र में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। वर्ष 2014 में अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत में केवल एक नवोद्यम था, जबकि अब इनकी संख्या 400 से अधिक हो गई है।

अर्धचालक निर्माण के क्षेत्र में भी भारत में 12 परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इस क्षेत्र में करीब 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश हो रहा है और तीन विनिर्माण इकाइयों में उत्पादन भी शुरू हो चुका है। जेफ्रीज ने अपनी रिपोर्ट को 'भारत की नई औद्योगिक क्रांति' नाम दिया है।

बैंक ऑफ अमेरिका की रिपोर्ट भी भारत में हो रहे बदलावों की ओर संकेत करती है। रिपोर्ट के अनुसार पिछले 24 महीनों में भारत में 18 सुधार कार्यक्रम लागू किए गए हैं। वस्तु एवं सेवा कर की व्यवस्था को पांच प्रमुख दरों से घटाकर मुख्य रूप से दो दरों तक सरल किया गया है। आयकर व्यवस्था में भी राहत दी गई है। नए श्रम कानून लागू किए गए हैं और सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाया गया है।

बॉर्नस्टीन की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की विकास यात्रा में सरकारी सहयोग की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। केंद्र सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में पूंजीगत खर्च में उल्लेखनीय वृद्धि की है। जून 2026 की तिमाही में भारत की 200 बड़ी कंपनियों की आय में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वस्तु एवं सेवा कर की दरों में कमी से भी नागरिकों की खर्च करने की क्षमता बढ़ी है। कमजोर मानसून के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादों की मांग मजबूत बनी हुई है।

शेयर बाजार में पिछली कमजोरी के बाद सुधार की उम्मीद

मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट भारत के शेयर बाजार की एक अलग तस्वीर सामने रखती है। पिछले वर्ष दुनिया के 24 प्रमुख शेयर बाजारों में प्रतिफल के मामले में भारत 23वें स्थान पर रहा। यह निश्चित रूप से कमजोर प्रदर्शन था। लेकिन शेयर बाजार में पिछला कमजोर प्रदर्शन ही आगे सुधार की संभावना का आधार भी बन सकता है। भारतीय शेयरों के मूल्य पिछले वर्ष की तुलना में कुछ आकर्षक स्तर पर आए हैं। घरेलू निवेशकों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। हर महीने करोड़ों नागरिक व्यवस्थित निवेश योजनाओं के माध्यम से हजारों करोड़ रुपए पूंजी बाजार में लगा रहे हैं। अब भारतीय शेयर बाजार में घरेलू निवेशकों की हिस्सेदारी विदेशी निवेशकों की तुलना में अधिक हो गई है।

भाषा की शक्ति उसकी कठिन शब्दावली में नहीं, सहज संवाद और व्यापक स्वीकार्यता में है

सरल हिंदी की बढ़ती वैश्विक व्यापकता

प्रमोद भार्गव

हिंदी को लेकर अक्सर यह शिकायत सुनाई देती है कि यह भाषा सरल नहीं है, इसलिए किशोर और युवा वर्ग इससे दूर हो रहा है। लेकिन वास्तविकता इसके विपरीत है। देशभर में आजीविका, शिक्षा, प्रशासन और बोलचाल की भाषा के रूप में हिंदी की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर हिंदी फिल्मों, दूरदर्शन धारावाहिकों, विज्ञापनों और अब डिजिटल माध्यमों तक हिंदी ने अपनी व्यापक उपस्थिति दर्ज कराई है। खास बात यह है कि इन माध्यमों में हिंदी के साथ उसकी लोक बोलियों और आंचलिक भाषाओं का प्रभाव भी निरंतर बढ़ रहा है। 'हनुमान अंश' जैसी फिल्म की लोकप्रियता में लोकगीतों और आंचलिक भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका इसका उदाहरण है।

सरकारी कामकाज में हिंदी को अधिक सहज और उपयोगी बनाने की दिशा में भी बदलाव दिखाई दे रहा है। केंद्रीय राजभाषा मंत्रालय ने हिंदी अनुवाद की जटिलता दूर करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सरकारी विभागों को अपने पत्रों और अभिलेखों में उर्दू, अंग्रेजी, अरबी, फारसी और तुर्की मूल के उन शब्दों के प्रयोग की अनुमति दी गई है, जो लंबे समय से लोकप्रिय और प्रचलित हैं। इससे सरकारी हिंदी में 'लोहपथगामिनी' और 'द्विचक्रवाहिनी' जैसे दुरूह शब्दों के अनावश्यक प्रयोग की बाध्यता समाप्त होने की दिशा में कदम बढ़ा है।

भाषा केवल शब्द नहीं, संवेदना का सेतु : भाषा केवल विचारों को व्यक्त करने का माध्यम नहीं होती। वह मनुष्य के अनुभवों, संवेदनाओं, स्मृतियों और सपनों को एक-दूसरे तक पहुंचाने वाला सेतु भी है। कोई भाषा तभी जीवंत और प्रभावशाली बनती है, जब वह अपने समय के मनुष्य से सहज संवाद कर सके। हिंदी के संदर्भ में आज ऐसी भाषा की आवश्यकता है, जो न तो अनावश्यक रूप से कठिन हो और न अपनी अभिव्यक्ति की गरिमा खोए। उसमें सरलता के साथ सरसता, संवेदनशीलता और समावेशिता भी हो।

इसी दृष्टि से 'सुवार्तित हिंदी' की संकल्पना महत्वपूर्ण प्रतीत होती है। व्यापक अर्थ में सुवार्तित हिंदी वह है, जो अपने कथ्य को सुंदर, स्पष्ट, सहज और प्रभावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत करे। ऐसी भाषा पाठक पर शब्दों का बोझ नहीं

डालती, बल्कि विचार और भाव को स्वाभाविक रूप से उसके मन तक पहुंचाती है। इसमें भाषा का सौंदर्य शब्दों की कठिनता में नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति की सजीवता में दिखाई देता है।

सरलता का अर्थ भाषा को कमजोर या साधारण बना देना नहीं है। सरल भाषा वह है, जिसमें जटिल विचारों को भी सहज ढंग से व्यक्त करने की क्षमता हो। विज्ञान, दर्शन, इतिहास, समाजशास्त्र अथवा साहित्य जैसे गंभीर विषय भी यदि सरल भाषा में प्रस्तुत किए जाएं तो उनका प्रभाव व्यापक हो जाता है। हिंदी की वास्तविक शक्ति उसकी व्यापक जनसंस्कृति में है। गांव से महानगर तक, विद्यार्थी से सामान्य पाठक तक और साहित्य से पत्रकारिता तक हिंदी के अनेक रूप दिखाई देते हैं। इसलिए हिंदी केवल विद्वानों की भाषा नहीं, बल्कि सामान्य जन की अनुभूति और समझ की भाषा भी है।

सरस भाषा पाठक को विषय से जोड़ती है : एक ही बात को किसी भी भाषा में दो अलग-अलग तरीकों से कहा जा सकता है। पहला वाक्य केवल सूचना देता है, जबकि दूसरा उसी सूचना को अनुभूति और जीवन की संवेदना से जोड़ देता है। सरस हिंदी पाठक के मन में दृश्य निर्मित करती है, संवेदना जगाती है और उसे विषय से जोड़ती है। यही कारण है कि हिंदी की मूल प्रकृति समावेशी रही है।

भारत की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता अत्यंत व्यापक है। हिंदी ने समय-समय पर अनेक भारतीय भाषाओं और बोलियों से शब्द ग्रहण किए हैं। इसके विकास में संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, फारसी, अरबी, तुर्की, अंग्रेजी और विभिन्न भारतीय भाषाओं का प्रभाव रहा है। इसलिए हिंदी को किसी एक संकीर्ण भाषाई सीमा में बांधना उसके स्वभाव को सीमित करना होगा।

हिंदी के इस समावेशी स्वरूप को व्यवस्थित रूप देने का कार्य भारतेंदु युग में शुरू हुआ। आरंभिक दौर में हिंदी गद्य में अपरिष्कृतता और अशुद्धियां भी थीं। महावीर प्रसाद द्विवेदी ने इन कमियों को पहचाना और भाषा को परिष्कृत करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उस समय हिंदी के अनेक रूप प्रचलित थे। पूर्वी बोली, ब्रज, अवधी और बुंदेलखंडी के बीच हिंदी का स्वरूप विविध था। द्विवेदी जी ने 'सरस्वती' पत्रिका के माध्यम से हिंदी को अधिक व्यवस्थित और एकरूप बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हिंदी की खड़ी बोली का विकास दसवीं से चौदहवीं शताब्दी के बीच आरंभ हो गया था, लेकिन उन्नीसवीं शताब्दी तक आते-आते आधुनिक मानक हिंदी के रूप में उसका स्वरूप अधिक स्पष्ट और स्थापित हुआ। हिंदी उपन्यास, कहानी और नाटक को सशक्त गद्य रूप देने में मुंशी प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' और महादेवी वर्मा का योगदान उल्लेखनीय है।

प्रेमचंद ने अपनी रचनाओं में जीवन को व्यावहारिक यथार्थवाद से जोड़ा। जयशंकर प्रसाद ने उपन्यास, कहानी, नाटक और निबंधों में भाषा की ऐतिहासिक चेतना को स्थान दिया। निराला ने मजदूर वर्ग की समस्याओं को 'कुकुरमुत्ता' और 'वह तोड़ती पत्थर' जैसी रचनाओं में प्रभावशाली शब्द संरचना दी। महादेवी वर्मा ने अपनी कविताओं में नारी सशक्तिकरण और मानवीय संवेदनाओं को भावपूर्ण अभिव्यक्ति दी। 'असीम' और 'ससीम' जैसे संबोधनों के माध्यम से उन्होंने रहस्यवाद की उस दार्शनिक अवधारणा को भी अभिव्यक्त किया, जो जीवात्मा और परमात्मा के अंतर्संबंध को दर्शाती है।

शुद्धता और सरलता एक-दूसरे की विरोधी नहीं

रीतिकाल और छायावाद को लेकर अक्सर 'संस्कृतनिष्ठ हिंदी' और 'सरल हिंदी' के बीच विवाद खड़ा कर दिया जाता है। वास्तव में शुद्धता और सरलता एक-दूसरे की विरोधी नहीं हैं। भाषा में व्याकरण, वर्तनी और अर्थ की स्पष्टता आवश्यक है, लेकिन इसके साथ उसकी संप्रेषणीयता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

छायावादी साहित्य की लोकप्रियता इस बात का प्रमाण है कि गंभीर, सांस्कृतिक और दार्शनिक विषयों को भी प्रभावशाली ढंग से पाठकों तक पहुंचाया जा सकता है। इस साहित्य में इतिहास के पुनर्लेखन के साथ भारतीय ज्ञान परंपरा की सशक्त अभिव्यक्ति दिखाई देती है। इसलिए हिंदी साहित्य का उद्देश्य केवल साहित्यिक प्रवृत्तियों का अनुसरण करना नहीं होना चाहिए।

लता मंगेशकर, आशा भोंसले, मोहम्मद रफी, मुकेश और किशोर कुमार के गीतों से सजी संगीत संध्या

सुरों से याद किए पंचरत्न, महान पार्श्वगायकों को दी श्रद्धांजलि

शिवपुरी जीएनएस

हिंदी फिल्मों के महान पार्श्वगायक और गायिकाओं को श्रद्धांजलि देने के लिए जय मां इवेंट्स, मुकेश म्यूजिकल ग्रुप एवं मुकेश फैंस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में ठेंगडी भवन में पंचरत्न श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लता मंगेशकर, आशा भोंसले, मोहम्मद रफी, मुकेश और किशोर कुमार जैसे महान कलाकारों को उनके सदाबहार गीतों के माध्यम से याद किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भोपाल से आए गौरी शंकर पाराशर रहे। अध्यक्षता बीएमएस के पूर्व विभाग प्रमुख रमेशचंद शिवहरे ने की। अजमेर सिंह यादव, एसके अटारिया, मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष दिलीप शर्मा, मणिका शर्मा एवं संगीता श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम का संचालन गायक मुकेश आचार्य एवं गिरीश मिश्रा ने किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती एवं पंचरत्न कलाकारों के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ किया। इसके बाद संयोजक एसके अटारिया ने कलाकारों का सम्मान किया। गायक मुकेश आचार्य एवं मणिका शर्मा ने संयुक्त रूप से भजन प्रस्तुत कर संगीत संध्या का विधिवत शुभारंभ किया।

इसके बाद शहर के कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। त्रिलोचन जोशी, विजय भार्गव, गिरीश मिश्रा, बृजेश अग्निहोत्री, जीएस पाराशर, नीरज खरे, संगीता श्रीवास्तव, मणिका शर्मा, रमेशचंद शिवहरे, दिलीप शर्मा, आशीष जैन, जाहिद, समर अली, एसके अटारिया, किशन सिंह राणावत, शेखर राणावत, योगेंद्र सिंह राणावत, जकी खान, सलीम खान, हरीश, रिजवान खान एवं गायक मुकेश आचार्य सहित अन्य कलाकारों ने लता मंगेशकर, आशा भोंसले, मोहम्मद रफी, मुकेश और किशोर कुमार के लोकप्रिय गीत प्रस्तुत कर उन्हें सुरमयी श्रद्धांजलि दी।

गीतों की प्रस्तुतियों के दौरान श्रोताओं ने भी उत्साहपूर्वक कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम ने महान पार्श्वगायकों की संगीत विरासत को एक बार फिर जीवंत कर दिया।

कन्या महाविद्यालय में कम उपस्थिति और अव्यवस्थाओं पर जताई नाराजगी, जिम्मेदारों को कारण बताओ नोटिस के निर्देश

छात्राओं से रूबरू हुई कलेक्टर, व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश

श्योपुर जीएनएस

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों के क्रम में कलेक्टर शीला दाहिमा ने गुरुवार को शासकीय कन्या महाविद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, सेमिनार हॉल सहित अन्य कक्षों का जायजा लिया और छात्राओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कार्तिकेय जायसवाल और एसडीएम गगन मीणा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने पुस्तकालय में पर्याप्त संख्या में किताबों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने महाविद्यालय में फायर सुरक्षा व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। छात्राओं द्वारा रास्ते में पुलिस गश्त की आवश्यकता बताए जाने पर कलेक्टर ने दूरभाष पर पुलिस अधिकारियों को मार्ग में गश्त की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कम उपस्थिति पर नाराजगी : महाविद्यालय में साफ-सफाई की उचित व्यवस्था नहीं मिलने और छात्राओं की कम उपस्थिति पर कलेक्टर ने नाराजगी जताई। उन्होंने प्राचार्य डॉ. ओपी शर्मा सहित समस्त स्टाफ को महाविद्यालय के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही अभिभावकों से संपर्क कर छात्राओं की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कराने को कहा।

अव्यवस्थाओं को लेकर प्राचार्य डॉ. ओपी शर्मा और प्रशासनिक अधिकारी बामनिया को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। वहीं वाणिज्य संकाय में विद्यार्थियों के प्रवेश की कम संख्या को लेकर सहायक प्राध्यापक डॉ. मंजू शाक्य को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

पांच करोड़ की लागत से बन रहा नगरपालिका भवन : कलेक्टर ने इसके बाद निर्माणाधीन नगरपालिका भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान नगरपालिका अध्यक्ष रेणु सुजीत गर्ग, सांसद प्रतिनिधि सुजीत गर्ग, मुख्य नगरपालिका अधिकारी नरेंद्र जाटव और उपयंत्री पवन गर्ग मौजूद रहे। कलेक्टर ने भवन की रूपरेखा और डिजाइन का अवलोकन कर निर्माण एजेंसी को काम शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। भवन का निर्माण करीब पांच करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है। नगरपालिका अध्यक्ष ने बताया कि भवन को दीपावली तक पूरा कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बच्चों के लिए माताओं को वितरित की गई हिमालय बेबी केयर किट

श्योपुर जीएनएस

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत जिला चिकित्सालय परिसर स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से स्वास्थ्य पोषण लाभ ले रहे बच्चों के लिए उनकी माताओं को हिमालय बेबी केयर किट वितरित की गई। इस अवसर पर बच्चों के स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं बेहतर देखभाल के प्रति माताओं को जागरूक किया गया। किट वितरण का उद्देश्य बच्चों की दैनिक देखभाल में सहयोग प्रदान करने के साथ-साथ माताओं को शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति प्रोत्साहित करना रहा।

वर्षा ऋतु में सुरक्षित पेयजल के लिए जलस्त्रोतों का क्लोरीनेशन जारी

श्योपुर जीएनएस

कलेक्टर शीला दाहिमा के निर्देशन में वर्षा ऋतु के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित एवं शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल गुणवत्ता परीक्षण एवं पेयजल स्त्रोतों के क्लोरीनेशन का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। वर्षा के दौरान पेयजल स्त्रोतों के दूषित होने की आशंका को देखते हुए विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल स्त्रोतों की नियमित निगरानी के साथ जल गुणवत्ता की जांच की जा रही है। जल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकतानुसार पेयजल स्त्रोतों का क्लोरीनेशन कराया जा रहा है। क्लोरीनेशन के माध्यम से पानी में मौजूद हानिकारक सूक्ष्मजीवों को नियंत्रित करने में मदद मिलती है, जिससे ग्रामीणों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण योगदान मिलता है।

अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई, 6 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जब्त

श्योपुर जीएनएस

अवैध और अमानक शराब के निर्माण, बिक्री व परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी विभाग ने श्योपुर में कार्रवाई की। कलेक्टर शीला दाहिमा एवं ग्वालियर संभाग आबकारी उपायुक्त संदीप शर्मा के मार्गदर्शन तथा जिला आबकारी अधिकारी शुभम दांगोडे के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई।

आबकारी विभाग की टीम ने वृत्त श्योपुर के मह का टपरा, खतौली तिराहा और मठेपुरा क्षेत्र में दबिश एवं गश्त की। कार्रवाई के दौरान मौके से 800 किलोग्राम लाहन और 6 लीटर हाथ भट्टी मदिरा बरामद की गई। बरामद लाहन को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 81 हजार 200 रुपए बताई गई है। मामले में आबकारी विभाग ने मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के तहत तीन आपराधिक प्रकरण दर्ज किए हैं। कार्रवाई में सहायक आबकारी अधिकारी संजीव कुमार धुर्वे, निधि जैन तथा आबकारी आरक्षक कोक सिंह रावत, विकास श्रीवास्तव, ब्रषभान जाटव और मोनू शाक्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

---

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा अभियान, सेवा, स्वच्छता, जनकल्याण और नागरिक दायित्व से जुड़े होंगे आयोजन

सेवा संकल्प अभियान में जनप्रतिनिधियों की भागीदारी से होंगी गतिविधियां

अशोकनगर जीएनएस

जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक संचालित होने वाले सेवा संकल्प अभियान को लेकर शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर साकेत मालवीय की अध्यक्षता में जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। बैठक में अभियान की कार्ययोजना, गतिविधियों और प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर चर्चा की गई।

बैठक में कलेक्टर मालवीय ने कहा कि अभियान को जनप्रतिनिधियों के समन्वित सहयोग से प्रभावी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभियान में जनप्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। कलेक्टर ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों से जिले की कार्ययोजना के संबंध में सुझाव भी लिए।

उन्होंने बताया कि एक माह तक चलने वाले अभियान में सेवा, स्वच्छता, सामाजिक सहभागिता, हितग्राही कल्याण, युवा नवाचार और नागरिक दायित्व से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ समाज में आए सकारात्मक बदलावों की जानकारी भी आमजन तक पहुंचाई जाएगी।

दीप प्रज्वलन से जनसेवा महाकुंभ तक : अभियान के तहत 13 प्रमुख गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें 17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दिया' के तहत सामूहिक दीप प्रज्वलन, 'बच्चों के सपनों का भारत' के तहत चित्रांकन सहित अन्य गतिविधियां, 'नमो सेवा गाथा', नुक्कड़ नाटक, 'आंगन का महोत्सव' और 'कहानी बदलाव की' शामिल हैं।

इसके अलावा 'विकसित भारत संकल्प यात्रा', 'सेवा ज्योति यात्रा', 'सेवा मेरा योगदान' के तहत रक्तदान, स्वास्थ्य परीक्षण, स्वच्छता और पौधारोपण जैसी गतिविधियां होंगी। 'सेवा सेतु अभियान' के माध्यम से पात्र लोगों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने और जनसंपर्क पर जोर रहेगा। 'सरकार आपके द्वार' के तहत प्रशासन और जनप्रतिनिधि आमजन तक पहुंचेंगे।

युवाओं और नवाचार से जुड़े लोगों के लिए राष्ट्रीय नवाचार चुनौती आयोजित की जाएगी। अभियान का समापन 17 अक्टूबर को 'जनसेवा महाकुंभ-पंचायत से संसद' के रूप में होगा, जिसमें जनप्रतिनिधियों का समागम भी प्रस्तावित है।

रक्तदान और स्वास्थ्य शिविर भी होंगे : भाजपा जिला अध्यक्ष आलोक तिवारी ने कहा कि प्रत्येक हितग्राही, मतदान केंद्र और सार्वजनिक स्थल पर 'आशीर्वाद का दिया' के तहत की गई तैयारियों को प्रशासन के साथ समन्वय कर सफल बनाया जाएगा। उन्होंने रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि अभियान को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करना सभी की जिम्मेदारी है और इसका निर्वहन पूरी निष्ठा व समर्पण के साथ किया जाएगा। बैठक में मुंगावली विधायक बृजेन्द्र सिंह यादव, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेश जैन, अपर कलेक्टर डीएन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। वहीं जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी और अन्य जनप्रतिनिधि वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

पुलिस आयुक्त कार्यालय में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन हुआ

प्राण शर्मा, गुड़गांव

पुलिस उपायुक्त मुख्यालय, गुरुग्राम की अध्यक्षता में आज दिनांक 11.09.2026 को पुलिस आयुक्तालय, गुरुग्राम में निःशुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन डॉ. टी.एन. आहूजा नेत्र एवं दंत संस्थान की विशेषज्ञ टीम द्वारा किया गया।

इस शिविर में पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण नेत्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा आंखों की बीमारियों के प्रति जागरूक करना था।

इस अवसर पर आयोजित शिविर में कुल 170 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों की नेत्र जांच की गई। इस दौरान नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा सभी को आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श भी

दिया गया। इस अवसर पर विशेषज्ञ चिकित्सकों ने प्रेसबायोपिया, हाइपरमेट्रोपिया, मायोपिया, कंप्यूटर विज़न सिंड्रोम, एलर्जिक आई डिजीज एवं ड्राई आई डिजीज के कारणों, बचाव एवं उपचार की जानकारी दी।

इस दौरान ड्राई आई से बचाव के लिए 20-20-20 नियम के बारे में जानकारी दी गई।

इस नियम के मुताबिक 20 मिनट सिस्टम पर काम करने उपरांत 20 बार पलक झपकाएं तथा 20 फीट दूर देखें।

इस दौरान जानकारी देते हुए बताया गया कि नियमित ब्रेक, बार-बार पलकें झपकाने, गुनगुनी सिकाई (Warm Compress),दिन के अंत में कॉस्मेटिक्स की उचित सफाई तथा सही पोस्चर बनाए रखना चाहिए।

इस शिविर के दौरान नेत्रदान के संबंध में जानकारी देकर पुलिसकर्मियों को जागरूक किया गया।

इस अवसर पर 04 पुलिसकर्मियों ने नेत्रदान का संकल्प लिया।

गौशालाओं की बदहाली और सड़कों पर भटकती गायों को लेकर 15 को लहार बंद का ऐलान

लहार, जीएनएस।

नगर में सड़कों पर बेसहारा घूम रही गायों की दुर्दशा पर प्रशासन के उदासीन रवैये से हिंदू संगठनों और किसानों में गहरा आक्रोश है। अखंड ब्राह्मण सेवा समिति के प्रदेश सचिव रोहित पाराशर मेहरा (रावण) ने प्रशासन को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि शांतिपूर्ण ज्ञापन को कमजोरी न समझा जाए। यदि 15 सितंबर तक सभी बेसहारा गायों को गौशालाओं में सुरक्षित नहीं पहुंचाया गया, तो लहार का पूरा बाजार बंद कराकर हजारों कार्यकर्ताओं के साथ उग्र धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

कागजों में नहीं, जमीन पर हो कार्रवाई..

रोहित पाराशर ने आरोप लगाया कि गौशालाओं के संचालन के नाम पर केवल खानापूर्ति हो रही है। कर्मचारी अधिकारियों की आंखों में धूल झोंक रहे हैं और रात के अंधेरे में गायों को गौशालाओं से बाहर छोड़ दिया जाता है। लोग बिना रसीद के गाय ले जाकर दूध निकालने के बाद उन्हें फिर सड़कों पर छोड़ देते हैं। उन्होंने जिला कलेक्टर से मांग की कि वे स्वयं औचक निरीक्षण करें और लापरवाह कर्मचारियों पर ठोस कार्रवाई के निर्देश जारी करें।

महीने भर चलेगा गौ रक्षा अभियान, अन्य बाजार भी होंगे किये जायेंगे। संगठन ने आंदोलन को लहार तक ही सीमित न रखकर पूरे विधानसभा क्षेत्र में फैलाने की चेतावनी दी है।

चरणबद्ध बाजार बंद- जिलाध्यक्ष अवधेश पचौरी एवं जिला उपाध्यक्ष मुकेश मिश्रा के अनुसार, लहार के बाद दबोह, आलमपुर, मिहोना, रौन और मछंड के बाजार भी एक-एक कर पूरी तरह बंद कराए जाएंगे।

?माहभर अभियान- 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक पूरे क्षेत्र में सघन गौ रक्षा अभियान चलाया जाएगा। ?हिंदू संगठनों ने दो टूक कहा है कि यदि प्रशासन ने समय रहते उचित कदम नहीं उठाए, तो उत्पन्न होने वाली कानून-व्यवस्था की स्थिति की पूरी जिम्मेदारी शासन की होगी।

उद्योग व्यापार मंडल के जिला उपाध्यक्ष बने भगवती शर्मा,राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार गुप्ता ने दी बधाई और शुभकामनाएं

(संतोष कुमार सिंह)

वाराणसी। उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार गुप्ता ने मेहदीगंज वाराणसी निवासी भगवती शर्मा को संगठन का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया है 7 संगठन की ओर से जारी मनोनयन पत्र में कहा गया है कि राष्ट्र एवं व्यापारी बंधुओं के प्रति उनके लगाव, समर्पण तथा सेवा भाव को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।मनोनयन पत्र में अपेक्षा व्यक्त की गई है कि भगवती शर्मा संगठन की कार्य योजनाओं का पूरी निष्ठा,ईमानदारी और सक्रियता के साथ अनुपालन करते हुए व्यापारी हितों से जुड़े मुद्दों तथा राष्ट्रवाद से संबंधित आंदोलनों को मजबूती

प्रदान करने में अपना पूर्ण योगदान देंगे 7 साथ ही संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे 7 संगठन पदाधिकारियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि उनके अनुभव और सेवा भाव से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी। भगवती शर्मा के जिला उपाध्यक्ष मनोनीत होने पर प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन यादव, वरिष्ठ जिलाध्यक्ष शुभम सिंह,युवा महिला जिलाध्यक्ष राधिका तिवारी,प्रदेश अध्यक्ष डॉ.शिवम सिंह सहित बबलू यादव,सुरेश यादव,अनुज सिंह,जितेंद्र पांडे,बृजेश, जितेंद्र पाल,अजीत पटेल,शुभम शर्मा, दीपू पांडे,विकास पाल आदि।

बीएस कॉन्वेंट स्कूल में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मालनपुर, जीएनएस।

बीएस कॉन्वेंट स्कूल मालनपुर में सम्पूर्ण स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम नगर परिषद मालनपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैयद रेहान अली जैदी के दिशा-निर्देश एवं नगर परिषद की सहयोगी संस्था फीडबैक फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बच्चों को बताया गया कि स्वच्छता को अपनाने से अनेक बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। साथ ही अपने घर, परिवार, मोहल्ले और पूरे शहर को गंदगी मुक्त रखकर स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुंदर मालनपुर के निर्माण में सभी की भूमिका महत्वपूर्ण है।

विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए अधिक से अधिक स्वच्छता अपनाने और आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हमारे जीवन का संस्कार बनना चाहिए। कार्यक्रम में स्कूल संचालक सोनपाल घुरैया, प्राचार्य आर.वी.एस. शिकरवार, नंदनी सिंह तोमर, प्रिया सिंह भदौरिया, शिवानी गौड़, प्रिया शर्मा, रसपाल सिंह सहित समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन एवं विद्यार्थियों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के संबंध में जागरूक करने का कार्य फीडबैक फाउंडेशन के असिस्टेंट मैनेजर सुधीर सिंह चौहान द्वारा किया गया।

अभिभाषक संघ लहार के अध्यक्ष द्वारा दिए गए ज्ञापन का विरोध

लहार, जीएनएस।

अभिभाषक संघ लहार के अध्यक्ष विकास बिरथरे द्वारा लहार अनुभाग के पटवारियों और राजस्व अधिकारियों के विवाद को लेकर कलेक्टर के नाम सौंपे गए ज्ञापन पर वकीलों ने कड़ा ऐतराज जताया है। संघ के पूर्व अध्यक्ष जगमोहन सिंह चौहान और वरिष्ठ अधिवक्ता नरेश सिंह चौहान सहित अन्य सदस्यों ने इस कदम की घोर निंदा करते हुए इसे नियमों के विपरीत बताया है,?

अधिवक्ताओं के अनुसार, 11 सितंबर 2026 को अध्यक्ष ने एसडीएम लहार के माध्यम से केवल 3 वकीलों के हस्ताक्षर करवाकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा था। इस पर आपत्ति दर्ज कराते हुए वकीलों ने कहा कि?साधारण सभा की अनदेखी की गई है अध्यक्ष ने पूरे संघ की ओर से ज्ञापन देने से पहले बार एसोसिएशन की साधारण सभा की कोई बैठक नहीं बुलाई और न ही कोई प्रस्ताव पारित कराया,?निजी फैसला संघ पर थोपने का आरोप लगाते हुए बताया कि पटवारियों और राजस्व अधिकारियों के आपसी विवाद में अभिभाषक संघ के नाम का इस्तेमाल बिना आम सहमति के करना अनुचित और असंवैधानिक है,दिये गए ज्ञापन में ?पारदर्शिता का अभाव है,संघ के सदस्यों को विश्वास में लिए बिना इस तरह का आधिकारिक कदम उठाना बार के गरिमापूर्ण नियमों का उल्लंघन है,?पूर्व अध्यक्ष जगमोहन सिंह चौहान, नरेश सिंह चौहान एवं अन्य सदस्यों ने स्पष्ट किया कि बिना साधारण सभा के संज्ञान व सहमति के दिए गए इस ज्ञापन से अभिभाषक संघ लहार का कोई लेना-देना नहीं है।

ट्रांसपोर्ट नगर में GDA अध्यक्ष मधुसूदन भदौरिया ने किया EWS भवनों का निरीक्षण

ग्वालियर, जीएनएस।

ग्वालियर विकास प्राधिकरण (त्ष्ठ) के अध्यक्ष श्री मधुसूदन भदौरिया ने शुक्रवार को प्राधिकरण के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ ट्रांसपोर्ट नगर स्थित आवासीय निर्मित श्वड्ड्स भवनों सहित विभिन्न संपत्तियों का निरीक्षण कर उनकी वर्तमान स्थिति तथा नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र में व्याप्त मूलभूत समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण किया जाए और नागरिकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।श्री भदौरिया ने विक्रय योग्य प्राधिकरण की संपत्तियों को चिन्हित कर उनके शीघ्र विक्रय की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण की संपत्तियों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के साथ-साथ क्षेत्र के विकास एवं नागरिक सुविधाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।निरीक्षण के दौरान त्ष्ठ अध्यक्ष ने आनंद नगर स्थित पोस्ट ऑफिस के लिए आरक्षित भूमि का भी अवलोकन किया। उक्त भूमि को प्राधिकरण द्वारा अतिक्रमण मुक्त कराया जा चुका है। अध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि का नियमानुसार व्ययन करने की कार्यवाही शीघ्र प्रारंभ की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राधिकरण की संपत्तियों के संरक्षण, उनके समुचित उपयोग तथा नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों में समयबद्ध एवं परिणाममूलक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

हरितालिका तीज महोत्सव में महिलाओं ने दिखाई प्रतिभा,विजेताओं को किया सम्मानित

वाराणसी, जीएनएस।

अंतरराष्ट्रीय क्षत्रिय वीरांगना महासभा,पूर्वांचल (उत्तर प्रदेश) के तत्वावधान में हरितालिका तीज के पावन अवसर पर रोडवेज कैंट स्थित होटल सिटी इन में भव्य हरितालिका तीज महोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया 7 कार्यक्रम में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता करते हुए विभिन्न गतिविधियों एवं प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया 7 महोत्सव का उद्देश्य महिलाओं को उनकी शक्ति,प्रतिभा एवं आत्मविश्वास के प्रति जागरूक करते हुए नारी शक्ति, सम्मान और स्वाभिमान को प्रोत्साहित करना रहा 7 कार्यक्रम में तीज पर्व की परंपराओं और संस्कृति की सुंदर झलक देखने को मिली 7 महिलाओं ने उत्साह पूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया और समारोह को यादगार बना दिया 7 कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय क्षत्रिय वीरांगना महासभा की अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष रंभा सिंह रहीं वहीं विशिष्ट अतिथि उत्तराखंड अध्यक्ष रीना सिंह रहीं 7 अतिथियों एवं पदाधिकारियों का आयोजन समिति की ओर से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया 7

इस अवसर पर राष्ट्रीय संरक्षक डॉ.अंशु सिंह,राष्ट्रीय महासचिव संगठन वंदना रघुवंशी,उत्तर प्रदेश अध्यक्ष सविता सिंह, महानगर अध्यक्ष नीतू सिंह,महानगर उपाध्यक्ष उमा सिंह,जिला उपाध्यक्ष ऊषा सिंह,जिला सचिव सुषमा सिंह तथा प्रदेश संरक्षक डॉ.अपर्णा सिंह सहित महासभा की अन्य पदाधिकारी एवं महिला सदस्य उपस्थित रहीं । कार्यक्रम के दौरान महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला 7 सभी ने एक- दूसरे को हरितालिका तीज की शुभकामनाएं दीं और भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया 7 आयोजन सौहार्द,उल्लास और महिला एकजुटता के संदेश के साथ संपन्न हुआ।

पाँच में एक नमूना फेल, सौ में तीन सजा

ग्वालियर, जीएनएस।

शहर ने एक हफ्ते में व्यवस्था की पूरी कहानी खोल दी। मंदिर के पास के बेसन लड्डू दो प्रयोगशालाओं में असुरक्षित निकले। ग्यारह साल बाद अदालत ने तीन नाम बरी कर दिए–लड्डू बचाने के लिए नहीं, इसलिए कि विभाग जिम्मेदार व्यक्ति साबित नहीं कर सका। इधर एक होटल पर ताला लगा। फ्रीजर में गड़बड़ मिली, लाइसेंस मरा पड़ा था, नमूना उठ गया, शहर देख लिया। एक तरफ विज्ञान बोल चुका था, सजा नहीं हुई। दूसरी तरफ तस्वीर बन गई, केस अभी अधूरा है। यहीं से बात शुरू होती है। यहीं खत्म नहीं होती।

मध्य प्रदेश की थाली हो या देश की, खाद्य सुरक्षा का मेन्यू

बदलता रहता है। कभी पनीर, कभी तेल, कभी मिठाई, कभी होटल का खाना। छापा गिरता है, नाम निकलता है, ताला चमकता है। फिर दफ्तर बंद। थाली चलती रहती है। फाइल खाली रहती है।

यह अनुमान नहीं, संसद में रखा हिसाब है। 2021-22 से 2025-26 के बीच देश में करीब 8.86 लाख नमूने जाँचे गए। इनमें 1,85,780 मानक पर नहीं उतरे–लगभग पाँच में एक। अर्थदंड करीब 75 प्रतिशत मामलों में चल गया। आपराधिक दोषसिद्धि महज 6,203–यानी 3.3 प्रतिशत। कुछ राज्यों ने पाँच साल में शून्य सजा दर्ज कराई। लैब बार-बार लिख रही है। व्यवस्था लिखे को दिखावे में बदल रही है।

यही दम तोड़ती बात है। असुरक्षित निकलना अब अपवाद नहीं रहा। सजा अपवाद हो गई है। अधिकारी इसे तकनीकी कमी कहते हैं। नेता सख्त निर्देश बताते हैं। सच इससे सस्ता है। निरीक्षण के दिन पूरा पन्ना नहीं बैठता–कौन बेच रहा था, पंजीकरण किसके नाम था, नोटिस किसे मिला, लाइसेंस कब टूटा। कागज उसी शाम बन सकता है। ग्यारह साल बाद नहीं बनता। अधूरा काम छोड़ो, फिर अदालत को नरम कहो। यह कानून की कमजोरी नहीं, फाइल की कायरता है।

दिखाने की कार्रवाई इसलिए चलती है कि वह सस्ती है। कैमरा चाहिए, मुकदमा नहीं। पनीर पर शोर मच जाए, तेल पर दो दिन रोष, मिठाई पर बहस, होटल पर सील–विषय एक रहता है, प्रदर्शन बदल जाता है। तस्वीर से नेता मुक्त। बयान से अधिकारी मुक्त। पाठक संतुष्ट। खराबी उसी रास्ते पेट में। इसलिए माँग ग्वालियर से है, हिसाब पूरे प्रदेश और देश से। हर फेल नमूने के साथ उसी दिन जिम्मेदार का पक्का नाम हो। नहीं तो आँकड़ा यही रहेगा–पाँच में एक थाली संदिग्ध, सौ में तीन सजा। ताला जनता को दिखेगा। सबूत अदालत तक नहीं पहुँचेगा। और फैसला फिर वही आएगा–साबित नहीं हुआ।

डॉ. सौरभ अरोड़ा ने इस नवीन शल्य चीरे का नाम पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की सीमा पर स्थित डबवाली शहर के नाम पर 'द डबवाली इन्सीजन' रखा है...

डॉ. सौरभ अरोड़ा ने इस नवीन शल्य चीरे का नाम पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की सीमा पर स्थित डबवाली शहर के नाम पर ÷द डबवाली इन्सीजन÷ रखा है। सिरसा ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन की ओर से सिरसा शहर में ष्टरूश्व (कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें डबवाली सिविल अस्पताल के हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. सौरभ अरोड़ा ने अपनी नई शल्य तकनीक ÷द डबवाली इन्सीजन÷ के बारे में जिले के हड्डी रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों को जानकारी दी। डॉ. अरोड़ा ने बताया कि उन्होंने टेंडन की मरम्मत के लिए एक नवीन शल्य चीरा विकसित किया है, जिसे पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की सीमा पर स्थित डबवाली शहर के नाम पर ÷डबवाली इन्सीजन÷ नाम दिया गया है। उन्होंने ष्टरूश्व के दौरान

इस चीरा लगाने की विधि, तकनीकी विशेषताओं और टेंडन रिपेयर सर्जरी में इसके उपयोग के बारे में चिकित्सकों को विस्तार से बताया।

कार्यक्रम में सिरसा जिले के अनेक हड्डी रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों ने भाग लिया। इस दौरान आधुनिक ऑर्थोपेडिक सर्जरी में हो रहे नए शोध और तकनीकों पर भी विचार-विमर्श किया गया। डॉ. सौरभ अरोड़ा की नई तकनीक को लेकर चिकित्सकों में विशेष चर्चा रही और उनके प्रयास की सराहना की गई।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के नेतृत्व में स्कूल में मनाया गया स्थापना दिवस, बच्चों को दी गई नैतिक शिक्षा

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के संयुक्त तत्वावधान में आज एक स्थानीय विद्यालय में विशेष आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्व हिंदू परिषद की स्थापना के इतिहास, उसके उद्देश्यों और भारतीय संस्कृति के मूल्यों से अवगत कराना था।

कार्यक्रम का संचालन जिला नैतिक शिक्षा प्रमुख एवं विवेकानंद प्रखंड प्रभारी श्री सूरज शाक्य जी के नेतृत्व में किया गया।

?? मुख्य अतिथि एवं गणमान्य उपस्थिति =-

- संतोष सराठे जी - संगठन मंत्री, ग्वालियर विभाग (विहिप) - मुख्य अतिथि

- श्री पप्पू राठौर जी - विभाग मंत्री

- श्री सूरज शाक्य जी - जिला नैतिक शिक्षा प्रमुख एवं विवेकानंद प्रखंड प्रभारी

- श्रीमती कटारे मैडम

- साथ ही समस्त शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

?? कार्यक्रम के मुख्य बिंदु =-

1. स्थापना दिवस की जानकारी - अतिथियों ने बच्चों को विश्व हिंदू परिषद के स्थापना दिवस के इतिहास और राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान के बारे में विस्तार से बताया।

2. नैतिक शिक्षा का महत्व - वक्ताओं ने विद्यार्थियों के जीवन में अनुशासन, संस्कारों और नैतिक शिक्षा की अनिवार्यता पर जोर दिया। 3. छात्रों की सहभागिता - विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और सांस्कृतिक-नैतिक मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। अंत में श्री सूरज शाक्य जी ने सभी अतिथियों, विद्यालय परिवार और छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त किया।

बैठक में इस अभियान को लेकर बनाई गई रणनीति पर चर्चा

ग्रामीण आबादी में पट्टे की जमीन पर रह रहे 50 लाख से अधिक परिवारों को स्वामित्व प्रदान कर निःशुल्क रजिस्ट्री देने के लिए 17 सितंबर से प्रारंभ होने वाले अभियान को लेकर आज कलेक्टर्स एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ वर्चुअली बैठक की।बैठक में इस अभियान को लेकर बनाई गई रणनीति पर चर्चा की तथा सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि 'स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026' के अंतर्गत गांवों में कैंप लगाकर भूमि स्वामियों का रिकॉर्ड दर्ज किया जाए। इस कार्य में जनप्रतिनिधियों को भी शामिल कर इसका व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए। अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त न हो, इसका विशेष ध्यान रखें। जिला कलेक्टर स्वयं अभियान का नेतृत्व करें तथा जिला स्तर पर नोडल अधिकारी, जोनल अधिकारी एवं सेक्टर अधिकारी नियुक्त कर माइक्रो प्लानिंग के साथ कार्य सुनिश्चित करें। रजिस्ट्री होने के बाद भू-स्वामियों को बैंक से ऋण प्राप्त करने की सुविधा मिल सकेगी, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी प्रभावी मजबूती मिलेगी। सभी ग्रामवासियों से विनम्र निवेदन है सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जो भी डाक्यूमेंट मागे उनको उपलब्ध कराए।

सड़क पर फैलाई गंदगी, निगम ने वसूला जुर्माना

ग्वालियर। शहर स्वच्छ व साफ रहे इसलिए गंदगी फैलाने वालों, अमानक पॉलीथिन, गोबर नालियों में बहाने वालों एवं भवन सामग्री सडक पर डालने वालों पर निगम द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी एवं अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव के निर्देशानुसार गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ जुर्माने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। जिसके तहत आज स्वास्थ्य अधिकारी श्री किशोर चौहान के निर्देशन में वार्ड 52 गुड़ी गुड़ा का नाका पर खुले प्लॉट की सफाई कराई गई।

अवैध शराब के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई

4,100 किलोग्राम गुड़ लाहन बरामद कर किया नष्ट, अवैध देशी मदिरा भी जब्त

ग्वालियर, जीएनएस।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के आदेशानुसार आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विनिर्माण, विक्रय, संग्रहण एवं परिवहन के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। आबकारी उपायुक्त श्री संदीप शर्मा के निर्देशन एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री राज नारायण सोनी के मार्गदर्शन में विभागीय टीम ने भितरवार क्षेत्र एवं ग्वालियर शहर में विभिन्न स्थानों पर दबिश दी।

भितरवार क्षेत्र के चकमियापुर एवं गोलपुरा कंजर डेरों से लगभग 4,100 किलोग्राम गुड़ लाहन बरामद किया गया। मौके पर सैंपल लेने के बाद शेष गुड़ लाहन को नष्ट किया गया। इसके अलावा भितरवार एवं ग्वालियर शहर के विभिन्न स्थानों से कुल 57 पाव देशी मदिरा प्लेन भी बरामद की गई। आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत कुल 8 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। जब्त देशी मदिरा एवं नष्ट किए गए गुड़ लाहन का अनुमानित मूल्य लगभग 4 लाख 20 हजार रुपए है।

कार्रवाई में ग्वालियर कंट्रोल रूम प्रभारी एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री राजेश तिवारी सहित आबकारी विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। जिले में अवैध मदिरा के विरुद्ध कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

आवारा एवं बीमार पशुओं की सूचना के लिए नगर निगम ने बनाया 24 घंटे कंट्रोल रूम

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर में आवारा पशुओं तथा बीमार एवं घायल पशुओं की सूचना एवं शिकायत प्राप्त करने के लिए 24 घंटे संचालित होने वाले कंट्रोल रूम का गठन किया गया है। नागरिक आवारा पशुओं के साथ-साथ बीमार अथवा घायल पशुओं की जानकारी कंट्रोल रूम के दूरभाष क्रमांक 7089003178 पर किसी भी समय दे सकते हैं।

नगर निगम के नोडल अधिकारी मदाखलत श्री केशव सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि शहरवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कंट्रोल रूम को 24 घंटे सक्रिय रखा गया है। नागरिक सड़क अथवा सार्वजनिक स्थानों पर आवारा पशु दिखाई देने, किसी पशु के बीमार या घायल होने अथवा पशु से संबंधित अन्य समस्या होने पर कंट्रोल रूम के नंबर पर सूचना दे सकते हैं।

उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि पशुओं से संबंधित किसी भी समस्या की जानकारी तत्काल नगर निगम को दें, ताकि संबंधित अमले द्वारा आवश्यक कार्रवाई समय पर की जा सके और नागरिकों के साथ-साथ पशुओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके।

आगामी त्योहारों में शांति, सौहार्द और सामाजिक समरसता बनाए रखने की अपील

सामूहिक सामर्थ्य की ओर...!

विस्तार हुआ अब ज़रूरत है, आधार बनाने की,
बिखरी हुई हरेक शक्ति को फिर, साथ लाने की।
卐ब्रिक्स卐 देशों का समूह नहीं, सपनों का संगम है,
दक्षिण की आवाज़ विश्व में, लाने का संकल्प है।
अर्थव्यवस्था हो या तकनीक, व्यापार हो या ज्ञान,
साझेदारी के मजबूत पुलों से, बढ़े सभी का मान।
न कोई छोटा, न कोई बड़ा, साझा हित हो पहचान,
मतभेद रहें तो संवाद रहे, यहीं तो हो इसकी शान।
भारत धरा से उठे स्वर, विश्व-व्यवस्था राह दिखाए,
विविधताओं में एका रख, संतुलन के दीप जलाए।
विस्तार तभी सार्थक होगा, जब सामर्थ्य साथ बढ़े,
ब्रिक्स की शक्ति घोषणा से, धरा पर परिणाम गढ़े।
नई सदी के इस पड़ाव पर, परीक्षा यही है आज–,
सामूहिक शक्ति बनेगी, विकास का सच्चा समाज?
विस्तार से आगे, विश्वास हो, सहयोग से नई उड़ान,
ब्रिक्स बने मजबूत सेतु, दुनिया में संतुलन सम्मान।
(संदर्भ - दिल्ली में हो रहीं ब्रिक्स की बैठक।)

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

गुना, जीएनएस।
आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सामाजिक समरसता के वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्रीमती हितिका वासल, पूर्व विधायक श्री राजेंद्र सलूजा, जिलाध्यक्ष श्री धर्मेंद्र सिकरवार, सांसद प्रतिनिधि श्री हरिसिंह यादव सहित शांति समिति के सदस्य एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में आगामी गणेशोत्सव, झांकी एवं प्रतिमा विसर्जन सहित अन्य त्योहारों के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं, कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान जनप्रतिनिधियों एवं शांति समिति के सदस्यों के सुझाव सुने गए तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

गुना की परंपरा आपसी भाईचारे और सद्भाव की

कलेक्टर श्री कन्?याल ने कहा कि गुना जिले की गौरवशाली परंपरा आपसी भाईचारे, सद्भाव एवं सामाजिक समरसता

की रही है। सभी नागरिक इसी भावना के साथ त्योहार मनाएं और शांति एवं सौहार्द बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान नागरिकों की सुविधा, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था प्रशासन की प्राथमिकता है। सभी आयोजक प्रशासन एवं पुलिस द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने झांकी समितियों से कहा कि मुख्य मार्गों को अवरुद्ध करते हुए पंडाल नहीं लगाए जाएं। आयोजन स्थलों पर सुरक्षा, विद्युत, फायर सेफ्टी एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। प्रशासन एवं पुलिस द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का बेहतर पालन करने वाली प्रथम तीन झांकी समितियों को सम्मानित किया जाएगा। प्रथम पुरस्कार के रूप में 51 हजार रुपये, द्वितीय 21 हजार रुपये एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में 11 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। जनसहयोग से प्राप्त राशि के संबंध में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आठ सदस्यीय समिति गठित की जाएगी, जिसमें चार प्रशासनिक अधिकारी तथा चार समाज के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

हर आयोजन में सुरक्षा की जिम्मेदारी आयोजकों की भी क्क पुलिस अधीक्षक

पुलिस अधीक्षक ने श्रीमती हितिका वासल ने कहा कि गणेशोत्सव को लेकर थाना स्तर तथा तहसीलदार, एसडीएम एवं एसडीओपी स्तर पर बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। उन्होंने झांकी समितियों के आयोजकों से कहा कि प्रत्येक समिति अपने आयोजन की व्यवस्थाओं एवं सुरक्षा की जिम्मेदारी सुनिश्चित करे। प्रत्येक पंडाल में कम से कम एक वॉलंटियर की मौजूदगी रहे। आवश्यकता अनुसार आयोजन स्थल पर पर्याप्त संख्या में वॉलंटियर रखें, ताकि किसी भी सूचना या समस्या की जानकारी तत्काल संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाई जा सके। आयोजक अपने क्षेत्र के निकटतम रजिस्ट्रेशन अधिकारी तथा संबंधित थाना प्रभारी, सीएसपी या अन्य संबंधित अधिकारियों के मोबाइल नंबर भी अपने पास रखें और किसी भी आवश्यक सूचना की जानकारी उन्हें तत्काल दें। लाइटिंग, फायर सेफ्टी, बड़े आयोजनों में सीसीटीवी तथा डीजे से संबंधित निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन किया जाए।

लाइट कनेक्शन को व्यवस्थित रखने के निर्देश

विद्युत विभाग से आयोजन स्थलों एवं झांकियों में विद्युत कनेक?शन अनिवार्य रूप से लिया जाये। विद्युत तारों को सुरक्षित तरीके से लगाया जाए और उन्हें खुले में या आवागमन वाले मार्गों पर न छोड़ा जाए, ताकि शॉर्ट सर्किट, करंट लगने अथवा अन्य दुर्घटनाओं की संभावना न रहे। कलेक्टर ने नागरिकों से अपील की कि सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली अफवाहों पर ध्यान न दें। किसी भी घटना अथवा संदिग्ध सूचना की जानकारी तत्काल प्रशासन एवं पुलिस को दें, ताकि समय पर आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

निगम आयुक्त ने किया जॉन 19 एवं 1 का निरीक्षण, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने जोन 19 एवं 1 के कार्यालय पहुंच कर औचक निरीक्षण किया तथा नेशनल लोक अदालत को लेकर निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने गोरखी स्काउट के सामने स्थित क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 19 का निरीक्षण किया तथा संबंधित कर संग्रहको से चर्चा कर संपत्ति कर वसूली की जानकारी ली। इसके साथ ही संपत्ति कर एवं जलकर वसूली को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वही बहोड़ापुर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 1 का निरीक्षण किया तथा संबंधित कर संग्रहको से चर्चा की और बिल तमिल किए जाने को लेकर जानकारी ली इसके साथ ही संपत्ति कर जमा करने आए उपभोक्ता को रसीद भी सौंपी। इसके साथ ही अन्य व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त श्री मुकेश बंसल, श्री उत्तम जखेनिया सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर संग्रहक उपस्थित रहे।

श्रीमद्भागवत महापुराण के प्रत्येक श्लोक में है श्रीकृष्ण–प्रेम की सुगन्ध: महामंडलेश्वर स्वामी भास्करानंद महाराज

वृन्दावन, जीएनएस।
कालीदह क्षेत्र स्थित अखण्ड दया धाम में मंगलायतन सेवा ट्रस्ट के द्वारा सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ महोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ प्रारम्भ हो गया है,जो कि 18 सितम्बर 2026 तक चलेगा।महोत्सव का शुभारंभ प्रातःकाल परिक्रमा मार्ग से कथा स्थल तक गाजे-बाजे के मध्य निकाली गई श्रीमद्भागवतजी की भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ।तत्पश्चात व्यासपीठ पर आसीन अखण्ड दया धाम के संस्थापक महामंडलेश्वर आचार्य स्वामी

भास्करानंद महाराज ने अपनी सुमधुर वाणी में देश-विदेश से आए सभी भक्तों-श्रृद्धालुओं को श्रीमद्भागवत महापुराण के महात्म्य की कथा श्रवण कराते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण प्राचीन भारतीय वाड्मय का मुकुटमणि है। भगवान शुकदेव द्वारा महाराज परीक्षित को विस्तार से सुनाया गया यह दिव्य ग्रंथ भक्ति मार्ग से प्रभु की प्राप्ति कराने वाला सुगम मार्ग है। इसके प्रत्येक श्लोक में श्रीकृष्ण-प्रेम की सुगन्ध है। इसमें साधन-ज्ञान, सिद्धज्ञान, साधन-भक्ति, सिद्धा-भक्ति, मर्यादा-मार्ग, अनुग्रह-मार्ग, द्वैत, अद्वैत समन्वय के साथ प्रेरणादायी विविध उपाख्यानों का अद्भुत समावेश है।

श्रद्धेय स्वामी भास्करानंद महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत की कथा भक्तिरस तथा अध्यात्म ज्ञान का समन्वय है। श्रीमद्भागवत महापुराण निगमकल्पतरु का स्वयंफल माना जाता है, जिसे नैष्ठिक ब्रह्मचारी तथा ब्रह्मज्ञानी महर्षि शुक ने अपनी मधुर वाणी के द्वारा संयुक्त कर अमृतमय बनाया है।इसीलिए इसकी कथा सभी प्राणियों के लिए कल्याणकारी है।

इससे पूर्व मुख्य यजमान खंडेलवाल परिवार, इन्दौर के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य श्रीमद्भागवत ग्रंथ व व्यासपीठ का पूजन-अर्चन किया गया। इस अवसर पर साध्वी कृष्णानंद महाराज, सतीश खंडेलवाल, श्रीमती कल्पना खंडेलवाल (इन्दौर),प्रख्यात साहित्यकार ÷यूपी रत्न÷ डॉ. गोपाल चतुर्वेदी, डॉ. राधाकांत शर्मा आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जोन 21 के वार्ड 52 में खाली प्लॉट की कराई गई सफाई

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार नगर निगम द्वारा शहर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए निरंतर सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जोन क्रमांक 21 के वार्ड क्रमांक 52 में गुड़ा पुलिया सब्जी मंडी के सामने स्थित खाली प्लॉट की विशेष सफाई कराई गई।

सफाई अभियान के दौरान खाली प्लॉट में जमा कचरा एवं गंदगी को हटाकर स्थल की साफ-सफाई कराई गई, जिससे क्षेत्र में स्वच्छ एवं बेहतर वातावरण सुनिश्चित हो सके। नगर निगम अधिकारियों ने क्षेत्रवासियों से भी अपील की कि वे खाली प्लॉटों में कचरा न डालें तथा अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने में निगम का सहयोग करें।

सफाई कार्य के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी श्री किशोर चौहान, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री रामचंद्र धौलपुरिया एवं वार्ड क्रमांक 52 के वार्ड हेल्थ ऑफिसर (डब्ल्यूएचओ) श्री अरुण चंदौकार उपस्थित रहे।

संत शिरोमणि रविदास महाराज जी की कलश यात्रा पोरसा शहर में निकाली जगह जगह हुआ भव्य स्वागत

पोरसा, जीएनएस।
भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल पोरसा के द्वारा आज पोरसा शहर में संत रविदास महाराज जी की 650बी जयंती के अवसर कलश वंदन यात्रा समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत भव्य कलश यात्रा पोरसा शहर के प्रमुख मार्गो से होकर निकाली गई यात्रा भोले पेट्रोल पंप अटेर रोड बाईपास से चलकर अंबेडकर भवन साधू सिंह तिराहा बरगद चौराहा अग्रसेन चौक बस स्टैंड होते हुए रामनगर संत रविदास मंदिर पर समापन हुई कार्यक्रम में वक्ताओं के द्वारा संत रविदास जी की जीवन पर प्रकाश डालते हुए संबोधित किया गया कार्यक्रम का संचालन पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष रामकुमार गुप्ता ने किया संत रविदास जी भारत के उन महान संतों और समाज सुधारकों में से एक हैं, जिन्होंने अपनी भक्ति, विचारों और कर्म से समाज में फैली कुरीतियों, ऊंच-नीच और जातिगत भेदभाव पर करारा प्रहार किया। उन्होंने जीवन भर प्रेम, करुणा और समानता का संदेश दिया।

?संत रविदास जी के जीवन और दर्शन के प्रमुख पहलू-

समानता और भ्रातृत्व- उन्होंने कहा था कि जन्म से कोई छोटा या बड़ा नहीं होता, व्यक्ति अपने कर्मों से महान बनता है। उनका स्पष्ट मानना था कि ईश्वर की नजर में सभी मनुष्य एक समान हैं।

?कर्म ही पूजा है- पेशे से चर्मकार होने के बावजूद उन्होंने अपने काम को कभी छोटा नहीं समझा। उन्होंने संदेश दिया कि ईमानदारी से किया गया कर्म ही ईश्वर की सच्ची भक्ति है। इसी संदर्भ में उनकी प्रसिद्ध कहावत आज भी हर जुबान पर है– ÷मन चंगा तो कठौती में गंगा÷।

?%बेगमपुरा% की अवधारणा- संत रविदास जी ने एक ऐसे आदर्श समाज की कल्पना की थी, जिसे उन्होंने %बेगमपुरा% (एक ऐसा शहर जहां कोई गम या दुख न हो) कहा। उनका सपना था कि एक ऐसा समाज बने जहां किसी के साथ अन्याय, गरीबी या भेदभाव न हो।

?आज के दौर में, जब समाज को एकजुटता और आपसी सौहार्द की सबसे ज्यादा जरूरत है, संत रविदास जी के विचार और अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। हमें उनके बताए मार्ग पर चलते हुए समाज से भेदभाव को मिटाने और हर इंसान का सम्मान करने का संकल्प लेना चाहिए। आइए, संत रविदास जी के विचारों को केवल भाषणों तक सीमित न रखकर अपने व्यावहारिक जीवन में उतारें। कार्यक्रम के इस अवसर पर अंबाह विधानसभा प्रभारी रामरूप सिंह तोमर जनपद अध्यक्ष देवेश सिंह तोमर पूर्व विधायक कमलेश जाटव पूर्व विधायक सत्यप्रकाश सखबार ग्रामीण मंडल अध्यक्ष रामबीर सिंह तोमर पूर्व मंडल अध्यक्ष राम कुमार गुप्ता आदि।

राजनीति ही एकमात्र ऐसा पेशा है जहाँ आप झूठ बोल सकते हैं, धोखा दे सकते हैं, फिर भी सम्मानित बने रह सकते हैं

लेखक, चंद्रकांत सी. पूजारी गुजरात

'राजनीति ही एकमात्र ऐसा पेशा है जहाँ आप झूठ बोल सकते हैं' यह कथन अक्सर लोगों के बीच सुनने को मिलता है। चुनावी रैलियों, टेलीविजन की बहसों और सोशल मीडिया पर नेताओं के वादों एवं बयानों को देखकर कई बार लोगों को ऐसा महसूस होता है कि राजनीति में झूठ बोलना एक सामान्य बात बन गई है। लेकिन क्या वास्तव में राजनीति केवल झूठ का दूसरा नाम है? या फिर कुछ नेताओं के आचरण के कारण ऐसी धारणा बनी है? इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए राजनीति की प्रकृति, उसके उद्देश्य और उसके व्यवहारिक पक्ष को समझना आवश्यक है।

राजनीति का मूल उद्देश्य समाज और राष्ट्र का कल्याण करना है। लोकतंत्र में जनता अपने प्रतिनिधियों को इसलिए चुनती है ताकि वे उनकी समस्याओं का समाधान करें, देश के विकास के लिए नीतियाँ बनाएँ और न्यायपूर्ण शासन प्रदान करें। लेकिन जब सत्ता प्राप्त करना ही सर्वोच्च लक्ष्य बन जाता है, तब नैतिकता पीछे छूटने लगती है। ऐसी स्थिति में झूठ, भ्रम, आधे-अधूरे सच और खोखले वादे राजनीति का हिस्सा बन जाते हैं।

चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं। मुफ्त सुविधाएँ, रोजगार, किसानों की आय दोगुनी करने, भ्रष्टाचार समाप्त करने और महँगाई पर नियंत्रण जैसे अनेक आश्वासन दिए जाते हैं। चुनाव समाप्त होने के बाद इनमें से कई वादे पूरे नहीं हो पाते। परिणामस्वरूप जनता के मन में यह धारणा और मजबूत होती जाती है कि राजनीति में झूठ बोलना मानो स्वीकार्य हो गया है।

उदाहरण 1ः

यदि कोई नेता चुनाव से पहले हर युवा को नौकरी देने का वादा करे, जबकि उसे स्वयं पता हो कि वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों में ऐसा कर पाना संभव नहीं है, तो ऐसा वादा जनता को भ्रमित करने वाला माना जा सकता है। ऐसे उदाहरण अनेक देशों और राज्यों की राजनीति में समय-समय पर देखने को मिलते हैं।

उदाहरण 2ः

कई बार राजनीतिक दल अपने विरोधियों के विरुद्ध पर्याप्त प्रमाण के बिना आरोप लगाते हैं, ताकि जनता की राय को प्रभावित किया जा सके। बाद में जाँच के दौरान यदि वे आरोप गलत सिद्ध होते हैं, तो इससे राजनीतिक व्यवस्था के प्रति लोगों का विश्वास और कमजोर होता है।

हालाँकि, यह कहना भी उचित नहीं होगा कि राजनीति केवल झूठ का ही पेशा है। इतिहास ऐसे अनेक नेताओं से भरा पड़ा है जिन्होंने सत्य, ईमानदारी और नैतिकता को अपनी राजनीति का आधार बनाया।

उदाहरण 3ः

महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा को अपनी राजनीति का आधार बनाया। उन्होंने सत्ता प्राप्त करने के लिए झूठ और छल का सहारा लेने के बजाय नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता दी। उनका मानना था कि राजनीति को नैतिकता से अलग नहीं किया जा सकता।

उदाहरण 4ः

लाल बहादुर शास्त्री अपनी ईमानदारी, सादगी और कर्तव्यनिष्ठा के लिए प्रसिद्ध थे। ÷जय जवान, जय किसान÷ केवल एक राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि देश के सैनिक और किसान के प्रति सम्मान तथा जिम्मेदारी की भावना का प्रतीक था।

आज सोशल मीडिया के दौर में झूठ और भ्रामक जानकारी पहले से कहीं अधिक तेजी से फैलती है। कई बार अधूरी, गलत या भ्रामक जानकारी राजनीतिक लाभ के लिए साझा की जाती है। इसलिए नागरिकों की जिम्मेदारी भी बढ़ गई है कि वे किसी भी सूचना पर विश्वास करने से पहले उसकी सत्यता और विश्वसनीयता की जाँच करें।

राजनीति में झूठ का सबसे बड़ा नुकसान जनता के विश्वास का टूटना है। जब नागरिकों को बार-बार ऐसा महसूस होता है कि उनके साथ वादों के नाम पर छल किया जा रहा है, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति उनका विश्वास कमजोर हो सकता है। लोगों में व्यवस्था के प्रति निराशा, असंतोष और राजनीतिक उदासीनता बढ़ सकती है।

इसके विपरीत, यदि राजनीति सत्य, पारदर्शिता और जवाबदेही पर आधारित हो, तो लोकतंत्र मजबूत होता है। जनता और सरकार के बीच विश्वास बढ़ता है, विकास कार्य अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ सकते हैं और समाज में सकारात्मक वातावरण बनता है।

इसलिए यह कहना कि ÷राजनीति ही एकमात्र ऐसा पेशा है जहाँ आप झूठ बोल सकते हैं÷ पूरी तरह सही नहीं है। झूठ किसी भी क्षेत्र—व्यवसाय, विज्ञापन, खेल, शिक्षा या व्यक्तिगत जीवन—में हो सकता है। अंतर केवल इतना है कि राजनीति में बोले गए झूठ का प्रभाव केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि लाखों-करोड़ों लोगों के जीवन, नीतियों और देश की दिशा पर पड़ सकता है। यही कारण है कि राजनीतिक झूठ अधिक गंभीर और अधिक चर्चा का विषय बन जाता है।

निष्कर्ष

राजनीति स्वयं बुरी नहीं है; उसे अच्छा या बुरा बनाने वाले लोग और उनका आचरण होते हैं। यदि राजनीतिक नेतृत्व ईमानदार, जवाबदेह और जनहित के प्रति समर्पित हो, तो राजनीति समाज परिवर्तन का सबसे शक्तिशाली माध्यम बन सकती है।

इसलिए आवश्यकता राजनीति को झूठ का पर्याय मानने की नहीं, बल्कि ऐसी राजनीति को बढ़ावा देने की है जो सत्य, नैतिकता, पारदर्शिता और जनसेवा के सिद्धांतों पर आधारित हो। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति तभी बनी रहेगी जब नेता अपने वचनों का सम्मान करेंगे और नागरिक भी जागरूक होकर सही प्रतिनिधियों का चुनाव करेंगे।

अंत में कुछ पंक्तियाँ—

वचन केवल शब्दों में नहीं,
आचरण में दिखाई देने चाहिए,
राजनीति में सत्ता नहीं,
संस्कार दिखाई देने चाहिए।
जनता तो विश्वास करके
सौंपती है देश की बागडोर,
हर निर्णय में उस विश्वास का
सम्मान दिखाई देना चाहिए।
क्योंकि लोकतंत्र में कुर्सी
बड़ी नहीं होती,
कुर्सी पर बैठने वाले की
जिम्मेदारी बड़ी होती है।

चुनावी मुक्तक...

आज लगे देव-तुल्य,
कल कोई ना मूल्य।
संसार का नियम है,
मामूली भी अमूल्य।।
वोट पाने की ललक,
दिखाती है चमक।
समय आने पर वो,
हो जाते है भटक।।
लोकतंत्र की खूबसूरती,
गौरव पाता हर देशवासी।
सरकार अपनी है बनाता,
फिर कहलाता भारतवासी।।
चुनाव हर बार आएंगे,
मतदाता को रिझाएंगे।
समाज सेवा के नाम पर,
जनता से वो बतियायेंगे।।

सुखेन्द्र कुमार माथुर

मूल्य आचरण से बनाओ

दबंगई से नहीं,विनम्रता से अपनी पहचान बनाओ,
मीठे बोलों से हर दिल में सम्मान जगाओ।
अहंकार की राह छोड़,संस्कारों की राह अपनाओ,
अपने श्रेष्ठ आचरण से जीवन में उजियारा लाओ।
चेहरे की चमक नहीं,चरित्र की रोशनी साथ रखो,
मुश्किल घड़ी में भी इंसानियत का हाथ रखो।
ऊँचा उठो तो अपने भीतर विनम्रता का भाव रखो,
हर रिश्ते में प्रेम,सम्मान और विश्वास रखो।
ताकत का अभिमान नहीं,सहने का हुनर दिखाओ,
जो गिर जाए राह में,उसे उठाकर गले लगाओ।
जीतकर भी किसी के दिल को कभी मत दुखाओ,
अपने सद्व्यवहार से विरोधी को भी अपना बनाओ।
ऐसा चरित्र बनाओ जिसे दुनियाँ मिसाल कहे,
तुम्हारी विनम्रता हर दिल की आवाज़ कहे।
तुम दूर रहो फ़िर भी तुम्हारी याद पास रहे,
तुम्हारा व्यवहार ही तुम्हारी सबसे बड़ी पहचान रहे।
ऐसा मूल्यवान बनो कि खोने वाला पछताए,
तुम जैसा विनम्र इंसान फिर दुनियाँ में न पाए।
किशन धन-दौलत मिट जाए,मगर चरित्र अमर रह जाए,तुम्हें खोकर कोई उम्रभर तुम्हें ही ढूँढ़ता रह जाए।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

9वें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभः 'हमारी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' की थीम पर 08 अक्टूबर तक चलेगा अभियान

मुरैना, जीएनएस। कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री कमलेश कुमार भार्गव एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री ओपी पाण्डेय ने जिले में 9वें राष्ट्रीय पोषण माह 2026 का संयुक्त रूप से अभियान का शुभारंभ किया। जिले में यह अभियान 08 अक्टूबर 2026 तक शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर विभिन्न जन-जागरूकता एवं पोषण संबंधी गतिविधियों के साथ संचालित किया जाएगा। इस वर्ष राष्ट्रीय पोषण माह की थीम 'हमारी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' रखी गई है। अभियान का उद्देश्य बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं के पोषण एवं स्वास्थ्य स्तर में सुधार के साथ-साथ समुदाय को पोषण के प्रति जागरूक करना और आंगनबाड़ी केन्द्रों से अधिक से अधिक जनभागीदारी जोड़ना है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री ओपी पाण्डेय ने बताया कि पोषण माह के दौरान जिले के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर प्रभात फेरी, पोषण रैली, शपथ ग्रहण, सामुदायिक बैठकों सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इन गतिविधियों के माध्यम से माताओं, गर्भवती महिलाओं एवं आमजन को संतुलित आहार, पोषण, स्वच्छता एवं स्वास्थ्यप्रद व्यवहारों के प्रति जागरूक किया जाएगा। अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप देने के लिए स्वास्थ्य, आयुष, शिक्षा, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास, खाद्य सुरक्षा तथा स्थानीय निकायों के विभागों का समन्वय एवं सहयोग लिया जा रहा है। अभियान के दौरान आहार विविधता एवं प्रोटीनयुक्त पोषण, आंगनबाड़ी केन्द्रों पर ताजा एवं गर्म पका हुआ भोजन, सामुदायिक भागीदारी, प्रारंभिक बाल्यावस्था की देखभाल, शिक्षा एवं विकास तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के माध्यम से सुरक्षित मातृत्व पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण के लिए स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से शत-प्रतिशत स्तनपान, समय पर पूरक आहार तथा गर्भवती एवं धात्री माताओं की स्वास्थ्य एवं पोषण जांच को बढ़ावा दिया जाएगा। बच्चों के जीवन के शुरुआती 1,000 दिनों की देखभाल एवं उचित लालन-पालन के महत्व के संबंध में माताओं को विशेष परामर्श दिया जाएगा। 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए खेल-खेल में सीखने की गतिविधियों के माध्यम से शाला पूर्व शिक्षा को बढ़ावा देते हुए बच्चों को विद्यालय जाने के लिए तैयार किया जाएगा।

अभियान के तहत बच्चों में अत्यधिक स्क्रीन टाइम को कम करने तथा खेलकूद एवं सामुदायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए भी जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। आंगनबाड़ी केन्द्रों की अधोसंरचना एवं सुविधाओं को सामुदायिक सहयोग से सुदृढ़ करने तथा जन-आंदोलन पोर्टल पर गतिविधियों की नियमित फीडिंग पर भी जोर दिया जाएगा। पोषण माह के दौरान आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों के वजन एवं लंबाई की नियमित माप कर उनके पोषण स्तर की निगरानी की जाएगी। एनीमिया की रोकथाम, पोषण वाटिका निर्माण तथा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों से तैयार व्यंजनों की प्रदर्शनी जैसी गतिविधियां भी आयोजित होंगी।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री पाण्डेय ने जिले के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं माताओं से अपील की है कि वे कुपोषण मुक्त मुरैना के संकल्प को साकार करने के लिए राष्ट्रीय पोषण माह में सक्रिय सहभागिता निभाएं और 'सही पोषण, देश रोशन' के संदेश को घर-घर तक पहुंचाने में सहयोग करें। इस अवसर पर सहायक संचालक शालीन शर्मा, सीडीपीओ श्री गौरव दुबे, पर्यवेक्षक श्रीमती मधु रजक, श्रीमती मधुबाला गोयल, श्रीमती सुषमा शर्मा, अन्तरा फाउंडेशन के डिस्ट्रिक्ट लीड श्री नवनीत श्रीवास्तव, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप, श्रीमती स्मृति शाक्य, श्री शुभम अग्निहोत्री एवं श्री आदित्य सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं उपस्थित रहीं।

कलेक्टर ने ग्राम पंचायत खाण्डोली के शासकीय माध्यमिक विद्यालय का किया निरीक्षण

मुरैना, जीएनएस। जन विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ ने ग्राम पंचायत खाण्डोली के कोक सिंह का पुरा स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए विद्यार्थियों से संवाद किया और उनकी पढ़ाई की प्रगति के संबंध में जानकारी ली।

कलेक्टर श्री जांगिड़ कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों के बीच दरी पर बैठकर उनकी कॉपियां और होमवर्क देखने लगे। उन्होंने बच्चों से विभिन्न विषयों से संबंधित प्रश्न पूछे और उनके शैक्षणिक स्तर की जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई में आ रही कठिनाइयों के संबंध में भी चर्चा की तथा नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने और गृहकार्य समय पर पूरा करने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर ने विद्यालय में मध्यान्ह भोजन व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने विद्यालय में पेयजल, शौचालय एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं की स्थिति का भी अवलोकन किया।

कलेक्टर ने विद्यालय में अंकुर पुस्तक की उपलब्धता, शिक्षकों की नियुक्ति एवं उनकी उपस्थिति के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। प्रारंभिक स्तर पर बच्चों की मजबूत शैक्षणिक नींव तैयार करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने शिक्षकों को प्रत्येक विद्यार्थी की सीखने की प्रगति पर विशेष ध्यान देने, नियमित मूल्यांकन करने तथा अभिभावकों से निरंतर संपर्क बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय में स्वच्छ, सुरक्षित एवं पढ़ाई के अनुकूल वातावरण बनाए रखने तथा शासन की शैक्षणिक योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

जन विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ ने कोक सिंह का पुरा स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक 118 का भी निरीक्षण किया। उन्होंने केन्द्र में बच्चों को दिए जाने वाले नियमित नाश्ता एवं भोजन की जानकारी ली। साथ ही गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा बच्चों को दिए जाने वाले टेक होम राशन (टीएचआर) के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की।

मंगल धाम के बुजुर्गों को दिखाई हनुमान जी पर आधारित फिल्म, आत्मीय पहल की सराहना

मॉल में फिल्म देख खिले वृद्धजनों के चेहरे, कलेक्टर ने साझा की खुशियां

ग्वालियर जीएनएस

प्रशासनिक जिम्मेदारियों के साथ सामाजिक सरोकारों को भी प्राथमिकता देते हुए कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने मंगल धाम के वृद्धजनों के साथ खुशियों के पल साझा किए। उन्होंने वृद्धजनों को शहर के एक मॉल में हनुमान जी पर आधारित फिल्म 'हनुमान अंश' दिखाई।

कलेक्टर की इस आत्मीय पहल से मंगल धाम के वृद्धजनों में खासा उत्साह नजर आया। सभी ने सामूहिक रूप से फिल्म का आनंद लिया। वृद्धजनों के लिए यह अवसर केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्हें अपनत्व, सम्मान और साथ होने का सुखद अहसास भी मिला।

फिल्म प्रदर्शन के दौरान जिला प्रशासन की ओर से तहसीलदार कुलदीप दुबे सहित अन्य विभागीय अधिकारी भी वृद्धजनों के साथ मौजूद रहे। अधिकारियों ने उनके साथ समय बिताया और आत्मीय संवाद करते हुए कुशलक्षेम जाना। इस दौरान वृद्धजनों को फल भी वितरित किए गए।

वृद्धजनों ने कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की पहल की सराहना करते हुए कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उनके साथ इस तरह समय बिताना उनके लिए विशेष अनुभव रहा। उन्होंने कलेक्टर एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

मातृत्व सम्मान के साथ साड़ी, श्रृंगार सामग्री और सुपोषण किट की भेंट

सेवा भारती ने 50 गर्भवती महिलाओं की कराई गोद भराई

ग्वालियर जीएनएस

नर सेवा ही नारायण सेवा के संकल्प के साथ सेवा भारती ग्वालियर समिति की ओर से रविवार को हरनाम की बजरिया, चौहान प्याऊ स्थित संतोषी माता मंदिर परिसर में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र की 50 जरूरतमंद गर्भवती महिलाओं की वैदिक रीति-रिवाज एवं विधि-विधान से गोद भराई की गई।

इस अवसर पर सेवा भारती की ओर से गर्भवती महिलाओं को मातृत्व सम्मान के रूप में साड़ी, सुहाग-श्रृंगार सामग्री और सुपोषण किट भेंट की गई। किट में मेवा, नारियल और ताजे फल सहित पौष्टिक सामग्री शामिल थी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पोषण विशेषज्ञ साधना राठौर, स्वावलंबन एवं वैभव श्री महानगर प्रमुख स्वराज माथुर, सेवा भारती ग्वालियर समिति के सचिव डॉ. दिनेश चौहान और विभाग प्रमुख कैलाश कुशवाह उपस्थित रहे। पोषण विशेषज्ञ साधना राठौर ने गर्भवती महिलाओं को गर्भकाल के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस अवस्था में संतुलित आहार और पर्याप्त पोषण मां एवं गर्भस्थ शिशु के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए आवश्यक है।

पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में 'विकसित भारत युवा कनेक्ट' कार्यक्रम

युवाओं ने लिया नशामुक्त और विकसित भारत बनाने का संकल्प

विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण से जुड़ने का आह्वान

ग्वालियर जीएनएस

मेरा युवा भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत माय भारत केंद्र ग्वालियर की ओर से शासकीय डॉ. भीमराव अंबेडकर पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में 'विकसित भारत युवा कनेक्ट' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को विकसित भारत-2047 के संकल्प से जोड़ने के साथ नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना रहा।

मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय जैन ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर शिक्षा, कौशल, खेल और राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में अपनी ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करना चाहिए।

अध्यक्षता करते हुए जिला युवा अधिकारी श्रीमती अंजली कुमारी ने कहा कि माय भारत के माध्यम से युवाओं को राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों से जोड़ने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने युवाओं से नशामुक्त और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

विशिष्ट अतिथि एवं युवा प्रेरक दर्शन तहकीत ने युवाओं से लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और नशे से दूर रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवा स्वयं जागरूक बनें और अपने साथियों एवं समाज को भी नशामुक्ति के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम में जिला लेखा अधिकारी दिलीप सुमन, पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के राकेश जैन, राष्ट्रीय स्तर के स्वयंसेवक विशाल कुशवाह एवं चमन कुशवाह सहित विद्यार्थी और युवा उपस्थित रहे। संचालन सफल युवा मंडल मध्यप्रदेश के अध्यक्ष अरविंद कुशवाह ने किया।

इस दौरान युवाओं को माय भारत की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी गई और नशामुक्त भारत की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का समापन नशामुक्त, स्वस्थ एवं विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने के संकल्प के साथ हुआ।

निगम आयुक्त ने पाइप निर्माण फैक्ट्री, नदियों पर बन रहे पुल-डक्ट और इंटेक वेल का किया निरीक्षण

चंबल-कोतवाल जल परियोजना में तेजी लाने के निर्देश

ग्वालियर जीएनएस

शहर की भविष्य की पेयजल जरूरतों को पूरा करने के लिए चंबल नदी एवं कोतवाल बांध से पानी लाने की महत्वाकांक्षी परियोजना के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने दिए हैं। उन्होंने रविवार को परियोजना के तहत निर्माणाधीन विभिन्न कार्यों का स्थल निरीक्षण कर प्रगति की जानकारी ली।

निगम आयुक्त ने जडेरुआ स्थित पाइप निर्माण फैक्ट्री का निरीक्षण किया। इसके अलावा कुवारी, आसन एवं सांक नदियों पर निर्माणाधीन पुल, डक्ट निर्माण स्थल और कोतवाल बांध स्थित इंटेक वेल का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से प्रत्येक कार्य की वर्तमान स्थिति, आवश्यक संसाधनों और आगामी कार्ययोजना की जानकारी ली।

आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों, परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता (पीडीएमसी) और ठेकेदार को आगामी 15 दिनों के लिए स्पष्ट कार्य लक्ष्य निर्धारित किए। उन्होंने कहा कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप काम की गति बढ़ाई जाए और जरूरत के अनुसार अतिरिक्त मशीनरी, संसाधन एवं श्रमिक उपलब्ध कराए जाएं।

उन्होंने कहा कि परियोजना शहर की भविष्य की पेयजल जरूरतों के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ तेजी भी सुनिश्चित की जाए। कार्यों की नियमित निगरानी हो और तकनीकी अथवा प्रशासनिक समस्या सामने आने पर उसका तत्काल निराकरण किया जाए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त प्रतीक राव, कार्यपालन यंत्री पुष्पेंद्र श्रीवास्तव, टाटा पीडीएमसी के प्रतिनिधि तथा संबंधित ठेकेदार के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सुदामा चरित्र सुन भावुक हुए श्रद्धालु, सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का हुआ विश्राम

गणेश चतुर्थी पर चंद्र दर्शन से बचें : कौशिक महाराज

ग्वालियर जीएनएस

गेरू वाला बंगला, त्यागी नगर मुरार में चल रही श्रीमद् भागवत कथा का रविवार को सातवें दिन विश्राम हुआ। अंतिम दिवस कथा व्यास पं. सतीश कौशिक ने श्रद्धालुओं को गणेश चतुर्थी के पौराणिक महत्व से अवगत कराया और भगवान कृष्ण-सुदामा की मित्रता का मार्मिक प्रसंग सुनाया। पं. कौशिक ने कहा कि हरिवंश पुराण के अनुसार भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी को चंद्र दर्शन नहीं करना चाहिए।

मान्यता है कि इस दिन चंद्र दर्शन करने से मिथ्या कलंक लग सकता है। भगवान कृष्ण ने भी भूलवश चंद्र दर्शन कर लिया था, जिसके बाद उन पर स्यमंतक मणि चोरी का मिथ्या आरोप लगा था। उन्होंने कहा कि यदि भूलवश चंद्र दर्शन हो जाए तो स्यमंतक मणि की कथा का श्रवण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा कर दूर्वा अर्पित करने और मोदक का भोग लगाने से मनोकामनाएं पूर्ण होने की मान्यता है।

सच्ची मित्रता भावनाओं पर आधारित : सुदामा चरित्र का प्रसंग सुनाते हुए पं. कौशिक ने कहा कि भगवान कृष्ण और सुदामा की मित्रता सच्ची मित्रता की मिसाल है। सुदामा की गरीबी देखकर भगवान कृष्ण ने बिना मांगे ही उनकी सहायता की।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने श्री रमेश श्रीवास्तव एवं श्री दिलीप पमनानी से संपत्ति क्रमांक 0 , स्थित फ्लैट नं. 202 पार्क अपार्टमेन्ट, भूरे बाबा की बस्ती, छतरी बाजार का क्रय पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 22 जून 2026, पंजीयन क्रमांक MP21IGR17402026A100759914 के माध्यम से किया है। उक्त संपत्ति के संबंध में संबंधित नगर निगम प्राधिकारी के अभिलेख में मेरे नाम नामांतरण कराया जाना प्रस्तावित है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार का दावा, अधिकार, हित अथवा आपत्ति हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 15 दिवस के भीतर अपने दावे/आपत्ति के समस्त प्रमाणों सहित अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त किसी भी दावे अथवा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

नाम : स्वाति बुंदेला

पता : फ्लैट नं. 202, पार्क अपार्टमेंट, भूरे बाबा की बस्ती, छतरी बाजार, लश्कर, ग्वालियर मोबाइल- 8982123608

दिनांक- 02/9/26

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।